RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 December 2024

अंक - 06 (मासिक) वर्ष - 20 दिसम्बर, 2024 मूल्य 20/-

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

दीप पर्व उपरांत
अन्नकूट और स्नेह मिलन का उत्सव

शास्त्रीय नृत्य की विशारद
नियति माहेश्वरी

श्री माहेश्वरी महालोक सेवा संगठन उज्जैन का
अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-06 दिसम्बर, 2024 वर्ष-20

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
सीए सुरेश कुमार काबरा, सूरत

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

विधि का विधान और विधाता

महाभारत के आश्वमेधिक पर्व की कथा है कि महायुद्ध के बाद युधिष्ठिर को हस्तिनापुर के सिंहासन पर बैठाकर भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका की ओर प्रस्थान किया। मार्ग में मरुभूमि पड़ती थी, जहाँ उनकी भेंट महर्षि उत्तुंग से हुई।

दोनों ने परस्पर एक-दूसरे का अभिवादन-पूजन किया और वार्तालाप शुरू हुआ। उत्तुंग कौरव-पांडवों के मध्य विवाद से परिचित किन्तु महायुद्ध से अनभिज्ञ थे। उन्होंने कृष्ण से पूछा 'हे जनार्दन! क्या तुम दोनों पक्षों में सन्धि कराने में सफल हुए? इसलिए कि दोनों ही तुम्हारे सम्बन्धी हैं।'

श्रीकृष्ण का कहना था 'मैंने बहुत प्रयास किए किन्तु सफलता न मिली और अंततः वे आपस में लड़कर मर गए। अब केवल पाँच पांडव ही बचे हैं।'

यह सुन उत्तुंग अत्यंत कुपित हो उठे। उनका कहना था कि कृष्ण ने शक्तिशाली होकर भी दोनों पक्षों की रक्षा न की। उनका क्रोध इतना बढ़ा था कि उन्होंने कृष्ण को शाप तक देने की चेतावनी दे डाली।

तब उन्हें शांत करते हुए कृष्ण ने कहा, 'हे महर्षि! जैसा कि आप जानते हैं कि मैं सर्वसमर्थ ईश्वर हूँ। किन्तु इस समय मैं मनुष्य योनि में अवतरित हुआ हूँ। अतः इस युद्ध को रोकने के लिए ईश्वरीय शक्ति का प्रयोग उचित न था।'

श्रीकृष्ण ने कहा, 'न दिष्टमप्यतिक्रान्तुं शक्यं बुद्धया बलेन वा।। महर्षे विदितं भूयः सर्वमेतत् तवानघ।' अर्थात् हे अनघ! आप तो जानते ही होंगे कि प्रारब्ध के विधान को कोई बुद्धि या बल से नहीं मिटा सकता।

कृष्ण का आशय था कि भले मैं ईश्वर हूँ मगर ईश्वर होकर भी मैं कौरव-पांडवों के भाग्य को बदल नहीं पाया। उनके भाग्य में राज्य के लिए आपस में लड़कर मरना लिखा था। अतः वे मारे गए।

यह सुन उत्तुंग शांत हुए। उनकी प्रार्थना पर कृष्ण ने उन्हें विश्वरूप का दर्शन तथा मरुभूमि में वर्षा का वरदान दिया और द्वारका की ओर चल पड़े।

साधो! सार यह कि विधि के विधान को साक्षात् विधाता भी नहीं बदल सकता। प्रारब्ध कर्म से बनता है। सद्कर्म का परिणाम सुखद होता है और दुष्कर्म का दुखद। अतः सद्कर्म करते रहिए। कर्म ही प्रारब्ध बनते हैं।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

दीपावली का संदेश हमेशा रहे

दीपावली महापर्व को सभी ने पूरे उत्साह व उल्लास के साथ मनाते हुए माता महालक्ष्मी की उपासना की। इसके साथ ही हम सभी ने अंधकार पर प्रकाश की विजय के प्रतीक स्वरूप दीप प्रज्जवलित कर ''दीप ज्योति'' को भी नमन किया। इतना ही नहीं इस पर्व ने हमारे निवास तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठान सभी को साफ-सुथरा और तरौताजा करवा दिया। यही इस पर्व की विशेषता है और यही इसे बहुत महत्वपूर्ण बनाती है।

यह पर्व वास्तव में मात्र 5 दिवसों के लिए ही नहीं होता बल्कि यह पर्व तो हमें सुखी जीवन की राह का स्मरण करवाने के लिये आता है। अंधकार पर प्रकाश की विजय का अर्थ है, हम हमेशा अपने अंदर उत्पन्न होती निराशा को सकारात्मकता से नष्ट कर दें तभी हम सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो माता महालक्ष्मी से सुख-समृद्धि प्राप्ति के अधिकारी बनेंगे। माता महालक्ष्मी समृद्धि ही नहीं अपितु सम्पूर्ण समृद्धि की देवी हैं, जो आरोग्य व सुख भी प्रदान करती हैं, लेकिन इसके लिये व्यक्ति को संस्कारवान होना जरूरी है। अतः उन्नति की राह पर अग्रसर तो हों लेकिन अपने संस्कारों के साथ, तभी हमें सुलक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी और हमें समृद्धि के साथ सम्पूर्ण आरोग्य व सुख की प्राप्ति भी होगी।

इसी तरह साफ-सफाई भी माता महालक्ष्मी को प्रसन्न रखने का एक मार्ग है। वे कभी भी गंदे व अशुद्ध स्थान पर वास नहीं करतीं। अतः यह हमारे कर्त्तव्य हैं कि जिस तरह हमने दीपावली पर साफ-सफाई से सकारात्मकता की शुरुआत की है, उसे दैनिक जीवन का अंग बना लें। कहते हैं कि यदि शर्ट का पहला बटन सही लग जाए तो बाकी स्वतः ही सही लगेंगे। यानी हम अपने लक्ष्य को पाने के लिए सही निर्णय ले सकें और उसके लिए पूरी ताकत लगा सकें, तो फिर सफलता हमसे कहां दूर रह सकती है? जब हम तन-मन से साफ सुथरे हों और वातावरण भी स्वच्छ मिल जाए जो यही ताकतें ज्यादा गतिमान हो जाती हैं। जब अच्छी ताकत बढ़ जाए, तो बुरी ताकतों का पलायन निश्चित है। हम देखते हैं धर्मस्थलों पर गंदगी करने से हम स्वयं बचने की कोशिश करते हैं, क्योंकि हमारे आसपास व वहां की स्वच्छता का असर रहता है। दैनंदिनी जीवन में भी हम वहां जाना, ठहरना, खाना, पीना पसंद करते है, जहां स्वच्छता नजर आती है।

मैं दीपावली पर्व की समस्त समाजजनों को शुभकामनाऐं देते हुए उनसे तन व वातावरण के साथ अपने मन की शुद्धता को भी महत्त्व देने की अपील करता हूँ। जिस तरह हमारे घर -मोहल्ले व क्षेत्र में गंदगी है, वैसे ही हमारे मन में जो बुरे विचार या विद्वेष हों, उन्हें भी इसी तरह निकाल फेंके। जब हम ऐसा कर पाऐंगे तभी दीपावली महापर्व पर माता महालक्ष्मी से सुख-समृद्धि की कामना के हकदार होंगे। ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' की परम्परानुसार वर्ष 2024 के लिए समाज की विभूतियों को ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' सम्मान से सम्मानित किया जाना है। यदि आपकी नज़र में ऐसी कोई विशिष्ट विभूति हों, जिन्होंने राष्ट्र स्तर पर किसी भी क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया हो, तो जानकारी अवश्य दें। अन्तिम निर्णय पाठकों के परामर्शानुसार होगा। यह अंक आपके हाथ में है, अपनी प्रतिक्रिया अवश्य भेंजें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

व्यावसायिक क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले 1 मई 1958 को स्व. श्री चिरंजीलाल काबरा के यहाँ जन्में सूरत निवासी सीए श्री सुरेश कुमार काबरा की पहचान समाज में समर्पित समाजसेवी के रूप में भी है। बी.कॉम, सीए, एल.एल.बी. तथा डीआईएसए तक शिक्षित श्री काबरा वर्ष 1986 से फर्म एस.के. काबरा एण्ड कम्पनी के साथ सीए के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। आप फर्म के सीनियर पार्टनर भी हैं। वर्तमान में आप आईटीएटी बार एसोसिएशन सूरत को अध्यक्ष, राजस्थान परिषद सूरत को उपाध्यक्ष, गुजरात माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट को सचिव, श्री माहेश्वरी शिक्षण संस्थान सूरत को बोर्ड मेम्बर तथा गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा को कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। आप गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही माहेश्वरी नवयुवक मंडल सूरत के अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी भवन समिति सूरत के संस्थापक सचिव व श्री माहेश्वरी शिक्षण संस्थान सूरत के अध्यक्ष भी रहे हैं। अन्य संस्थाओं में आप आईसीएआई की सूरत डब्ल्यूआईआरसी शाखा के अध्यक्ष, डायरेक्ट टैक्स कमेटी (एसजीसीसीआई) सूरत के सह संयोजक आदि कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवा दे चुके हैं।

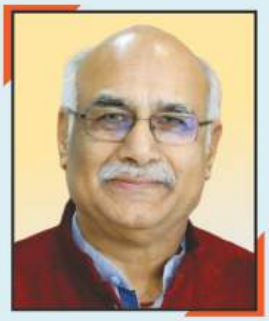

घटती रिश्तों की खुशियाँ

माहेश्वरी समाज यदि वर्तमान में व्यवसाय जगत के शिखर पर स्थापित है, तो इसमें माहेश्वरी संस्कारों का बहुत बड़ा योगदान है। ये संस्कार आने वाली पीढ़ियों को अपने परिवार के वरिष्ठ सदस्यो दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची व बड़े भाई-बहनों से स्वतः ही मिल जाते थे। इसके साथ उन्हें परिवार से वह सम्बल व सहयोग भी मिलता था, जो उन्नति की राह पर अग्रसर होने में उन्हें सहयोग देता था। संयुक्त परिवार व्यवस्था वटवृक्ष की तरह फैले व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने में सहयोग देती थी और साथ ही सभी को परस्पर सहयोग व सुरक्षा भी प्रदान करती थी।

वर्तमान दौर में पाश्चात्यकरण का प्रभाव इस तरह बढ़ता ही चला जा रहा है कि संयुक्त परिवार तो ठीक एकल परिवार तक बिखरते जा रहे हैं। इसका कारण हमारी पाश्चात्यवादी सोच व इसी प्रकार का वातावरण है। वर्तमान में कई पाठ्यपुस्तकों तक में संयुक्त परिवार व्यवस्था को हानिकारक व्यवस्था के रूप में निरूपित किया जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि नयी पीढ़ी इस व्यवस्था के प्रति बचपन से ही नकारात्मक सोच रखती है, तो फिर यह प्रणाली अपने विकास की ओर अग्रसर कैसे हो? वर्तमान में सुसंस्कृत माने जाने वाले हमारे माहेश्वरी समाज में भी संयुक्त परिवार सिर्फ अंगुलियों पर गिने जाने जितने ही बचे हैं।

इतना ही नहीं वर्तमान में तो एकल परिवार भी विशुद्ध एकल होते जा रहे हैं। वास्तव में इनमें पति-पत्नी के साथ उनके माता पिता का भी समावेश होना चाहिये लेकिन इन एकल परिवारों में माता-पिता के लिये भी स्थान नहीं बचा। कहीं तो आधुनिक सोच के कारण दम्पत्ति अपने माता-पिता से अलग रहना चाहते हैं, तो कहीं व्यवसाय व नौकरी के कारण अलग रहने पर विवश हैं। स्थिति यह है कि बेटा-बहू विदेश में अथवा किसी दूसरे शहर में रह रहे हैं तो उनके माता-पिता गाँव में अकेले हैं। कड़ी मेहनत व आर्थिक संघर्षों के साथ उन्होंने अपने बच्चों को यह सोचकर उच्च शिक्षा दिलाई कि अब अच्छे दिन आऐंगे लेकिन अच्छे दिन तो ठीक वे तो और भी अकेले हो गये। कई जगह देखने में आता है कि वृद्धों के पास उनकी उस अवस्था में कोई संबल देने वाला भी नहीं रहता, जब उन्हें इसकी सर्वाधिक आवश्यकता होती है।

दूसरी तरफ देखा जाये तो ऐसी स्थितियों का युवा दम्पत्तियों पर भी गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिसे वे समझ ही नहीं पा रहे। वर्तमान में बढ़ती विवाह विच्छेद की दर व घटती बच्चों की संख्या इन दोनों का कारण ही एकल परिवारों का विग्रह है। इसमें उन्हें विवाद होने पर कोई समझाने वाला भी नहीं होता। वहीं उन्हें तथा उनके बच्चों को अपने परिवार के वरिष्ठों के निश्छल स्नेह तथा उनके संस्कारों से वंचित होना पड़ता है, वह अलग। दादा-दादी बच्चों की परवरिश करते-करते कब उन्हें संस्कारों की घुट्टी भी पिला देते हैं, यह पता नहीं चलता। अतः संयुक्त एकल परिवारों का विग्रह वास्तव में वर्तमान पीढ़ी के लिये बहुत बड़े खतरे की घंटी है। जब संस्कार देने के बावजूद उनके माता पिता को एकल रहना पड़ रहा है तो फिर सोचें वर्तमान पीढ़ी का भविष्य क्या होगा?

अतः इस गंभीर विषय पर समस्त समाज संगठनों, सम्पूर्ण समाज व सभी परिवारों को गहनता से चिंतन कर अपने संस्कारों की रक्षा करने का प्रयास अवश्य करना होगा। अन्यथा बहुत देर हो जाऐगी।

सीए सुरेश कुमार काबरा, सूरत
अतिथि सम्पादक

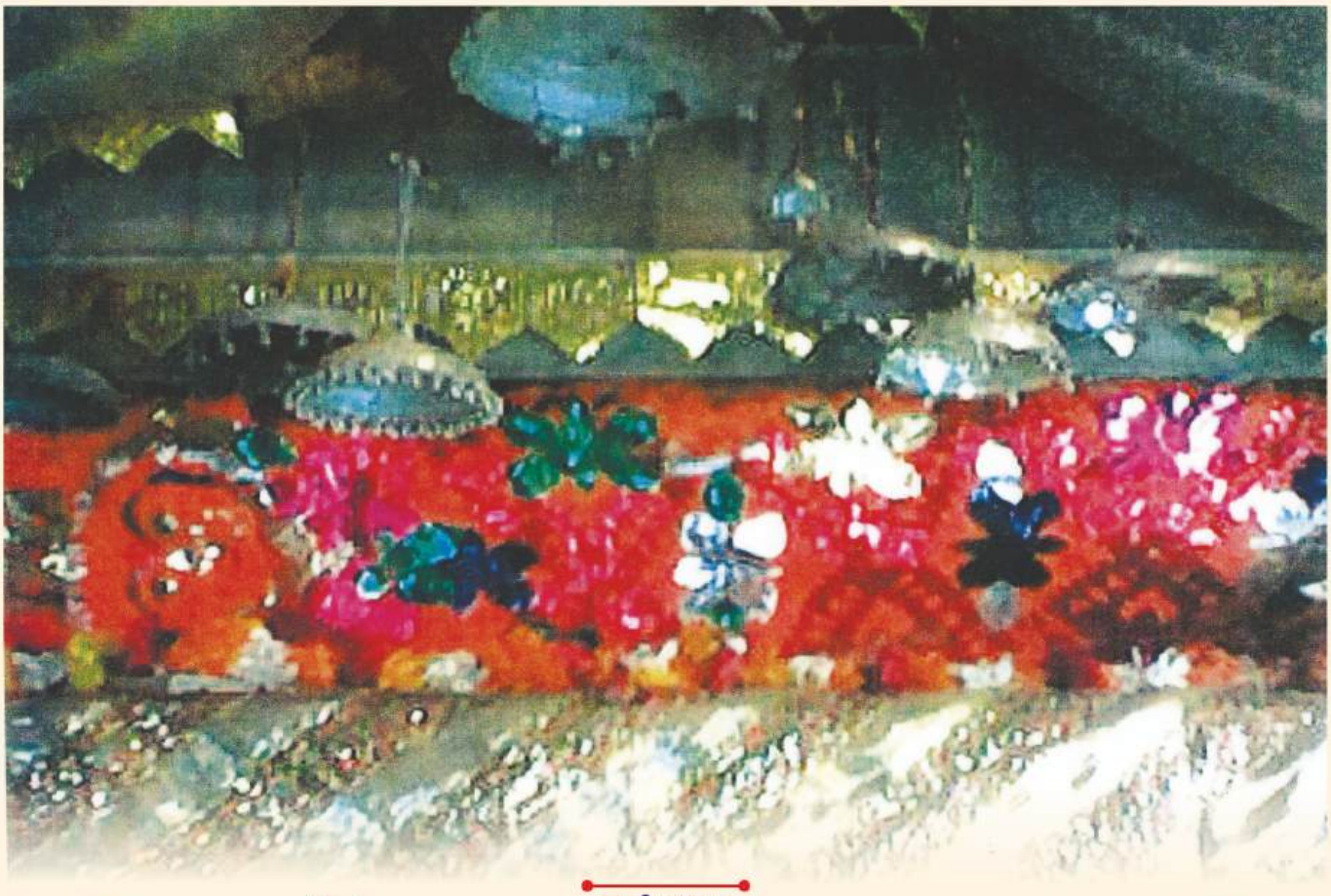

टीम SMT

श्री नौसल माताजी

श्री नौसल माताजी माहेश्वरी जाति की सारड़ा, चितलांग्या, जैथलिया, फोफलिया और भाला खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर नौसल माताजी आनंदी माता और चामुण्डा माता के नाम से भी जानी जाती हैं।

श्री नौसल माताजी का मंदिर राजस्थान के प्रसिद्ध शहर अजमेर से 75 कि.मी. दूर मदनगंज-किशनगंज के समीप नौसल कौठड़ी ग्राम में स्थित है। एक तालाब के किनारे सुरम्य माहौल में स्थित यह मंदिर पांडवकालीन 5000 वर्ष पुराना होकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बताया जाता है कि यहाँ कुल 9 मंदिर थे। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने माताजी की मूर्ति तोड़ दी थी। अतः वर्तमान मूर्ति बाद में प्रतिष्ठित की हुई लगती है। यहाँ की एक विशेषता और है कि इस मंदिर के समीप एक लेटा हुआ ईमली का पेड़ है जो आने वाले दर्शनार्थियों के लिये आकर्षण का केन्द्र होता है।

विशिष्ट आयोजन यहाँ प्रत्येक माह में शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को विशिष्ट आयोजन होते हैं। इस दिन अपनी मान-मनौती के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। मात्र 100 व्यक्तियों की छोटी सी टीम इन सभी व्यवस्थाओं को सम्हालती है। यहाँ लोग अपनी परम्परानुसार माताजी को भोग लगाते हैं।

कहाँ ठहरें यहाँ पर ठहरने के लिये कलकत्ता के भाला परिवार ने कुछ कमरे बनवाऐ हैं। ठहरने की व्यवस्था के लिये पंडाजी से आग्रह करना होता है। लॉज व ठहरने की अन्य उत्कृष्ट व्यवस्था मदनगंज-किशनगंज में हो जाती है। 'ए' क्लास आवास व्यवस्था के लिये अजमेर में अच्छे होटल हैं।

कैसे पहुँचें ग्राम नौसल (कौठड़ी), अजमेर से सड़क मार्ग से 75 कि.मी. दूर रुपनगढ़-परबतसर मार्ग से कुछ अन्दर है। इसके लिये रूपनगढ़ से 15 कि.मी. की दूरी पर दायीं ओर कच्चा मार्ग नौसल कौठड़ी जाता है। अजमेर से भी एक सीधा कच्चा रास्ता है।

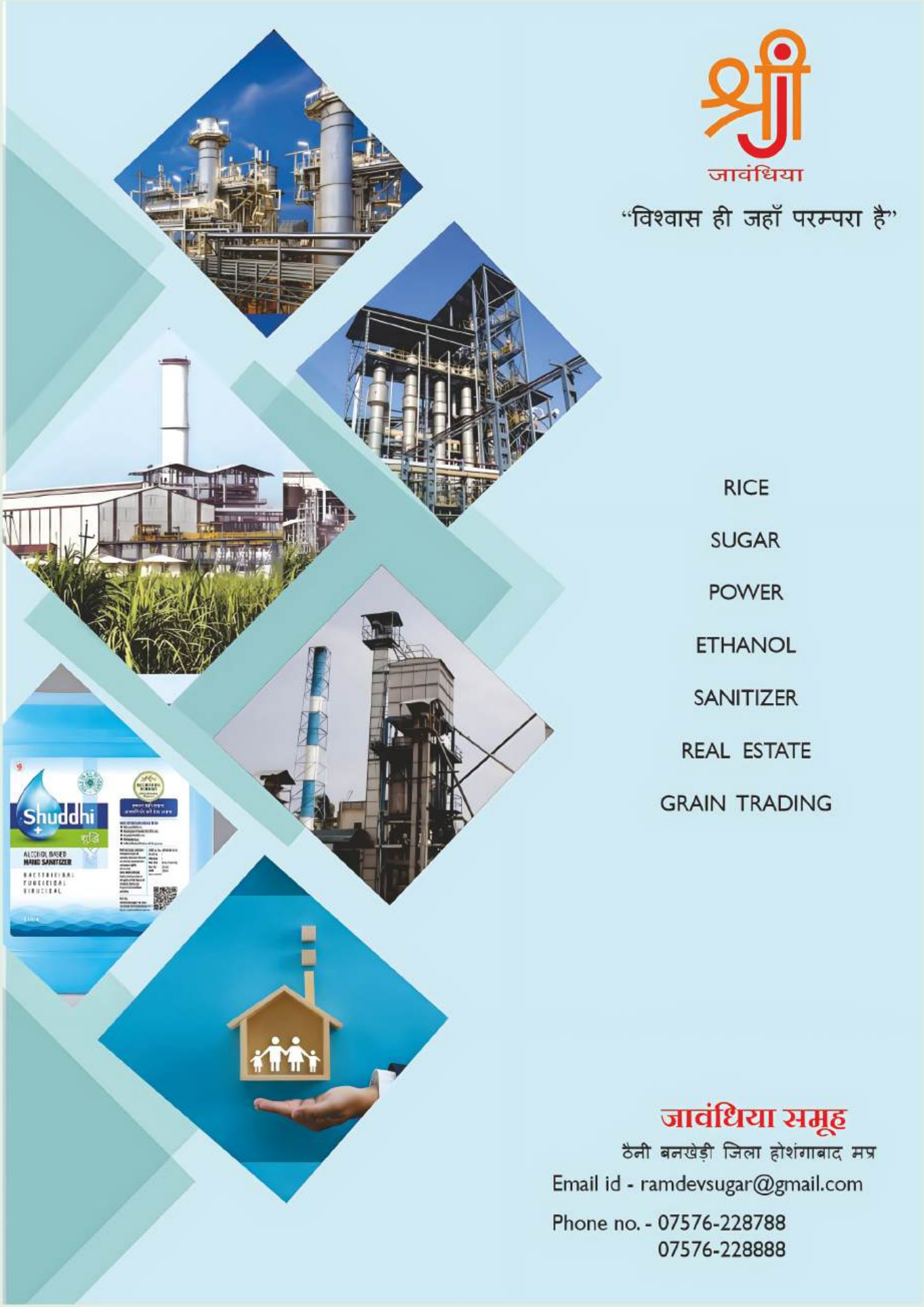

श्री
जावंधिया

"विश्वास ही जहाँ परम्परा है"

RICE

SUGAR

POWER

ETHANOL

SANITIZER

REAL ESTATE

GRAIN TRADING

जावंधिया समूह

ठैनी बनखेड़ी जिला होशंगाबाद मप्र

Email id - ramdevsugar@gmail.com

Phone no. - 07576-228788
07576-228888

दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दीपावली की हार्दिक शुभकामना

श्यामा भांगडिया
अध्यक्ष

लक्ष्मी बाहेती
सचिव

सुनीता मूंधड़ा
कोषाध्यक्ष

सुनीता झंवर
संगठन मंत्री

किरण लड्ढा
रा० कोषाध्यक्ष
प्रदेश संरक्षक

मंजू मानधना
रा० उपाध्यक्ष
प्रदेश संरक्षक

शर्मिला राठी
रा० समिति प्रभारी
प्रदेश संरक्षक

वीणा काबरा
रा० कार्यसमिति

आशा रांदर
वि०आ०रा०
कार्यसमिति

उषा मोहंता
रा० प्रकुल्प
संयोजिका

डॉ० उर्वशी साबू
रा०समिति
सहप्रभारी

राजश्री मोहता
रा० समिति
सहप्रभारी

प्रभा जाजू
रा० समिति
सह प्रभारी

नीता महेश्वरी
परामर्श मंडल

सरोज दरगड
परामर्श मंडल

आशा जेठलिया
परामर्श मंडल

उमा सोनी
परामर्श मंडल

बबीता समदानी
परामर्श मंडल

उमा झंवर
परामर्श मंडल

प्रतिभा जाजु
परामर्श मंडल

विनीता बिहानी
संस्थापक अध्यक्ष

सरिता सोनी
प्रचार प्रसार मंत्री

इंदु लड्ढा
प्रकल्प प्रमुख

पंकज लोहिया
सांस्कृतिक मंत्री

वंदना समदानी
उपाध्यक्ष

अंजू सोमानी
उपाध्यक्ष

रेनू लड्ढा
उपाध्यक्ष

संगीता चांडक
उपाध्यक्ष

सरोज दमानी
सह सचिव

सुनीता झंवर
सह सचिव

ममता सारड़ा
सह सचिव

रीटा सोनी
सह सचिव

मालिनी काबरा
ट्रस्ट प्रतिनिधि

राधा चांडक
वि० आ० सदस्य

महाकालेश्वर की नगरी में भी काबरा ने दिखाई उन्नति की राह

रेडियो दस्तक तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय भी पहूँचे श्री काबरा

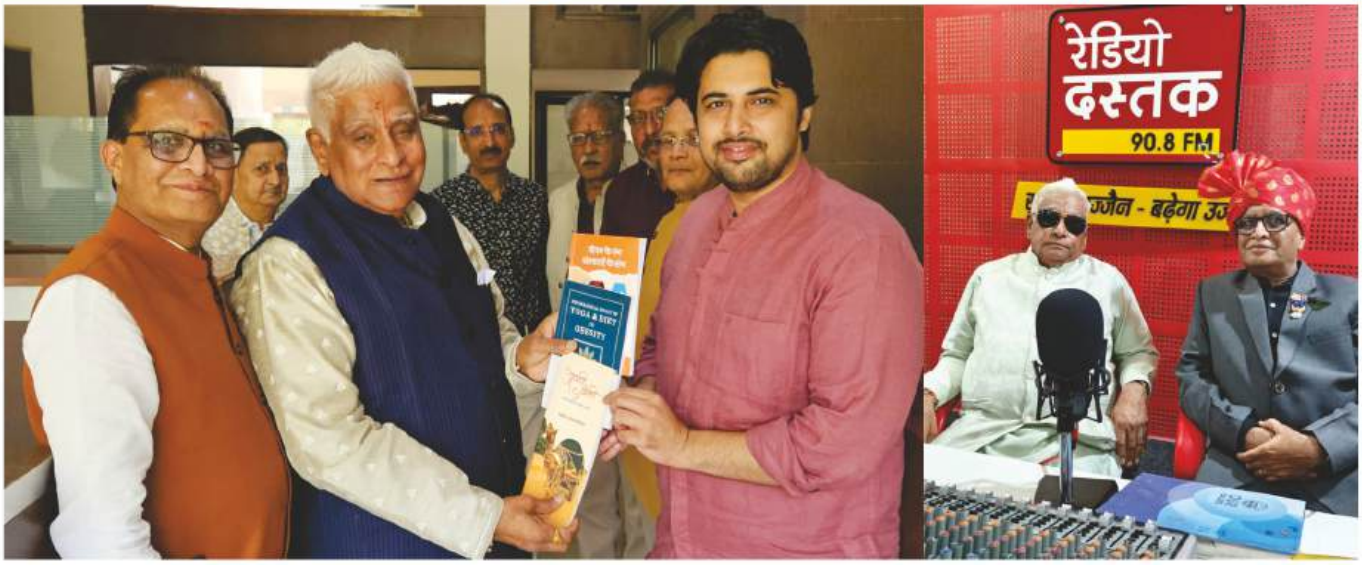

उज्जैन। आरआर ग्रुप के निदेशक ख्यात उद्यमी व समाजसेवी वडोदरा निवासी त्रिभुवन काबरा अपनी धार्मिक व सामाजिक यात्रा के अंतर्गत भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन पहुँचे। यहाँ उन्होंने भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन तो किये ही साथ ही श्री माहेश्वरी टाईम्स तथा रेडियो दस्तक कार्यालय का अवलोकन भी किया।

श्री भूतड़ा की धार्मिक यात्रा में पत्रकार पुष्कर बाहेती व पत्रकार संदीप कुलश्रेष्ठ भी उनके साथ थे। इसके पश्चात श्री भूतड़ा शीर्ष सामाजिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स के कार्यालय पहुँचे और उन्होंने वहाँ सम्पूर्ण कार्यप्रणाली का अवलोकन कर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, ऋषि मुनि क्रियेशन के संचालक मुनि बाहेती ने श्री भूतड़ा का अभिनंदन किया। श्री काबरा को इस अवसर पर ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक आपणी बोली (स्वाति जैसलमेरिया), फिजियोलॉजिकल इम्पेक्ट आफ योग एण्ड डाईट इक ओबेसिटी (डॉ. वरूण आहूजा व सान्या वढेरा) तथा जीवन के रंग संस्कारों के संग (मनीषा माहेश्वरी, उज्जैन) भी भेंट की गई। इसके पश्चात श्री भूतड़ा रेडियो चैनल "रेडियो दस्तक" के कार्यालय पहुँचे। वहाँ निदेशक संदीप कुलश्रेष्ठ तथा अमृता कुलश्रेष्ठ ने भी श्री भूतड़ा का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कार्यालय के अवलोकन के पश्चात श्री भूतड़ा का प्रेरक साक्षात्कार भी लिया गया। इस साक्षात्कार में श्री भूतड़ा ने आज की युवा पीढ़ी को उन्नति की राह दिखाई। श्री कुलश्रेष्ठ व श्री बाहेती ने आभार व्यक्त किया।

काबरा दम्पत्ति का आगमन

उज्जैन। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की आधार स्तंभ माँ रत्नी देवी काबरा, वरिष्ठ समाज सेवी पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा के साथ पारिवारिक समारोह में सम्मिलित होने के लिए उज्जैन आयीं। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उषा सोडानी, उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सीमा मालपानी एवं सचिव मनीषा राठी ने उनसे सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर माँ के सान्निध्य में समाज सेवा से जुड़े रहने के गुर सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही उम्र के इस पड़ाव पर भी माँ की सामाजिक सक्रियता देख समाजसेवियों में नव ऊर्जा का संचार हुआ।

With Best Compliments
Murlidhar Rathi
9009992403
Ashok Rathi
98261-66215
Ashish Rathi
96170-70000
Amit Rathi
90095-25777
MAHESHWARI STEEL TRADERS
Deals In : Plates, Channel, Joist & Other Structural Items
Dealer Of Kamdhenu TMT
Dealer of : Acc Cement : Ultratech Cement
G.E. Road, Pulgaon Naka, Durg 491001 (Chhattisgarh)
Ph : 0788-2210538, E-mail : mst.durg@gmail.com
Rathi Steels
Pulgaon Naka, Ganjpara, Durg-491001 (Chhattisgarh)

मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल द्वारा गत 3 नवम्बर को आयोजित मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम का माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में रमेश चंद्र राठी (जिला मंत्री), श्री निवास नुवाल के आतिथ्य में श्रवण समदानी, ओम प्रकाश सोमानी, सुनील मूंदड़ा, कृष्णा काखानी, सुधीर बाहेती, सुरेश जाजू (मांडल), गोविंद सोमानी, कैलाश गगरानी, शिव प्रसाद काखानी, कैलाश सोमानी ने दीप प्रज्जवलकर शुभारंभ किया गया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के अतिरिक्त चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में शाखाएं सेवारत हैं जिनमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय के तर्ज पर ही उपलब्ध हैं जहां प्रत्येक रविवार को यह सेवाएं उपलब्ध रहती है। चित्तौड़गढ़, कोटा, भीलवाड़ा शहर, ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक भी परिचय पत्रक अवलोकन हेतु उपस्थित हुए।

Jagdish Nawandar
99221 85678
94222 85678

Apeksha Medical Stores

In from of Natraj Garden,
Khamgaon-444303, Dist. Buldhana (Mh.)
Ph. 07263-253132, 253536
E-mail : jhn_apeksha@rediffmail.com

Navandar Marketing

(Quality Paper Napkin Manufacturer)

Sanket Nawandar

Call : +91 99 2218 6789
Raigad Colony Road, Near Chentami,
Ganpati Mandir, Mukund Nagar,
Khamgaon-444303, Dist. Buldana.
E-mail : navandarmarketings@gmail.com

खुशी ने किया आईआईटी से बीटेक

वडोदरा (गुजरात)। खुशी पुत्री मधुसूदन ज्योति लड्ढा ने आईआईटी मंडी से कंप्यूटर साइंस में बीटेक ऑनर्स सीजीपीए 8.56 के साथ उत्तीर्ण की। जर्मनी यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख में सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम पूरा किया। वर्तमान में वे एचडीएफसी में डेटा साइंटिस्ट के रूप में इंटर्नशिप पूर्ण कर रही हैं और पीपीओ भी उन्हें मिला।

तृतीय-चतुर्थी संतान पर सम्मान

नडियाद। कुल देवी मां ब्रह्माणी के मंदिर प्रांगण में केंद्रीय पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई, इसमें अध्यक्ष, वरि. उपाध्यक्ष, (राजस्थान जोन व महाराष्ट्र जोन अध्यक्ष), महासचिव, कोषाध्यक्ष, तथा महिला संगठन महासचिव शामिल थे। इसमें हेड़ा रत्न कालुराम हेड़ा, हेड़ा गौरव सहषकरण हेड़ा किसनगढ़, मार्गदर्शक हरनारायण हेड़ा जोधपुर तथा गुरू चरण हेड़ा पाली, सत्यनारायण हेड़ा गुजरात शामिल थे। उन सभी की स्वीकृति व निर्देश पर यह निर्णय किया है कि देश विदेश में बसे किसी भी हेड़ा दम्पति के यहाँ 15 नवंबर 2024 से तीसरी या अधिक संतान पैदा होंगी, उनका सम्मान 2025 मे होने वाले महासम्मेलन मे किया जायेगा। तीसरा अथवा चौथा बच्चा बच्चा पैदा होने पर मिलेगा 51 हजार रुपये की FDR के साथ सम्मान, एवम चौथी संतान होने पर चौथी संतान की सम्पूर्ण पढ़ाई का खर्चा हेड़ा संगठन सेवा फाउंडेशन करेगा तथा महासम्मेलन में उन्हें सम्मानित भी किया जाऐगा।

खरी-खरी...

स्वार्थ ने जबसे किया
सम्वेदना का आचमन

भग्न होता जा रहा है
भावनाओं का भवन

जो शिखर पर उच्चता के थे,
मरे आदर्श सब

कर रहा है नेह भी
विद्वेष जैसा विष वमन

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

नयी पीढ़ी में संस्कारों को सहेजना जरूरी-श्री काबरा

निर्माणाधीन ''श्री महेश धाम भवन'' का प्रमुख दानादाता त्रिभुवन काबरा ने किया अवलोकन

उज्जैन। वर्तमान में मोबाईल आदि से हमारी युवा पीढ़ी में संस्कारों का क्षरण हो रहा है, जिन्हें बचाना बहुत जरूरी है। समाज में बढ़ते अन्तर्जातीय विवाह भी इन्हीं बिगड़ते संस्कारों का ही परिणाम है।

उक्त उद्‌गार भगवान महाकालेश्वर की नगरी के अंकपात क्षेत्र में श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट द्वारा निर्मित हो रहे समाज भवन ''श्री महेशधाम'' में आयोजित उनके सम्मान समारोह के अवसर पर आरआर ग्रुप के चेयरमेन व भवन निर्माण के प्रमुख दानदाता समाजसेवी त्रिभुवन काबरा ने व्यक्त किये। अपनी धार्मिक व सामाजिक यात्रा के अंतर्गत उज्जैन आने पर श्री काबरा ''श्री महेश धाम'' का अवलोकन करने पहुँचे थे। उल्लेखनीय है कि श्री काबरा इस भवन के निर्माण हेतु 51 लाख रूपये की सहयोग राशि पूर्व में भवन निर्माण ट्रस्ट को भेंट कर चुके हैं। श्री काबरा ने इस भवन के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस भवन के निर्माण में लगने वाली समस्त इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक्स सामग्री वे लागत मूल्य पर उपलब्ध करवाऐंगे। इसमें इलेक्ट्रिक वायर, केबल, मोटर, पंखे, कूलर व ए सी आदि सभी उपकरण शामिल हैं। इस अवसर पर श्री काबरा का स्वागत ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी, कोषाध्यक्ष नवल माहेश्वरी, जिला सचिव नवीन बाहेती, महासभा प्रतिनिधि महेश लड्ढा ने पुष्पमाला से किया। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी एवं माहेश्वरी मेवाडा थोक पंचायत ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश सोडानी, वरिष्ठ पर्यावरणविद् श्याम पलोड़, गौशाला संयोजक शैलेंद्र राठी, ओ.पी. तोतला, भूपेंद्र भूतड़ा, रमेश हेड़ा, संजय लड्ढा, पीयुष हेड़ा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट सहसचिव श्री माहेश्वरी टाईम्स संपादक पुष्कर बाहेती ने किया। आभार ट्रस्ट सचिव कैलाश डागा ने व्यक्त किया।

अहिंसा अर्बन को ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या.

मलकापूर, रजि. नं. 1243

नेमाणे कॉम्प्लेक्स, बी.जी.टी.आय रोड, मलकापूर-443101 मो. 82756 46933

वैशिष्ट्ये
अहिंसा ठेव योजना
फक्त 84 महीन्यात दाम दुप्पट
संस्थेच्या ठेविवरील आकर्षक व्याज दर

मुदती ठेव
- 30 दिवस ते 90 दिवस 6%
- 91 दिवस ते 6 महीने 7%
- 7 महीने ते 15 महीने 8%
- 16 महिनेचे वर 9%
- 25 महिनेचे वर 10%

आकर्षक आवर्तक ठेव योजना
1031 रू. दरमहा गुंतवा व 6 वर्षाने
1 00 000 रू. मिळवा.
(मर्यादीत कालावधी करीता)

- जेष्ठ नागरीक, सहकारी संस्था, विधवा, अपंगांसांठी 1/2% अधिक व्याज दर.

आपले स्नेहाकीत

श्री. पंकज चिमनलालजी मुंधडा
अध्यक्ष
94044 40000

सतिष हेमराज बंग
सचिव

श्री. मनोज रतीलालजी भिमजीयाणी
उपाध्यक्ष

तथा संचालक मंडल व कर्मचारी वृंद
अहिंसा अर्बन को-ऑप. क्रेडीट सोसायटी मर्या. मलकापूर

उपलब्धि

सविता को पीएचडी उपाधि

जोधपुर। सविता कालिया को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें ये उपाधि 'मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना एक सोशियोलॉजिकल स्टडी' विषय पर शोध के लिए दी गई है।

हर्षिता यूपीएससी में चयनित

जयपुर। डॉक्टर हर्षिता बियाणी सुपुत्री जयश्री-देवीप्रसाद बियाणी मूलतः सीकर निवासी व जयपुर प्रवासी ने यूपीएससी मेडिकल संयुक्त सेवा 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर 55 वां स्थान प्राप्त किया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा तथा मिशन आइ ए एस 100 की तरफ से हर्षिता और पूरे बियाणी परिवार का अभिनंदन किया गया।

दीपिका सिविल जज परीक्षा में चयनित

भवानीमंडी (राज.)। सुश्री दीपिका कचोलिया सुपुत्री प्रवीण कचोलिया ने सिविल जज परीक्षा में पूरे भारत में 5 वां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अपनी वाणी को वीणा बनाएँ, बाण न बनाएँ, क्योंकि वीणा बनेगी तो जीवन में संगीत होगा और अगर बाण बनेगी तो जीवन में महाभारत होगी।

पुरखों के नाम लगाए दीपक

इंदौर। संस्था 'आनंद गोष्ठी' के संयोजक लव गोविन्द मालू ने बताया कि संस्था के संस्थापक, भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. श्री गोविन्द मालू द्वारा प्रारम्भ की गई परम्परानुसर प्रतिवर्ष की तरह इस 13वें वर्ष भी नरक चतुर्दशी पर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा इंदौर शहर के हर श्मशान (मुक्तिधाम) के मुख्यद्वार पर 'एक दिया, पुरखों के नाम' लगाया गया तथा रंगबिरंगी रांगोली का आसन सजाकर उनका पुण्य स्मरण कर उनसे राष्ट्र की सुख समृद्धि सौभाग्य का आशीर्वाद व कृपा की आकांक्षा कर अपनी त्रुटियों का प्रायश्चित किया गया। संस्था के लालू शर्मा, विनोद खण्डेलवाल, दीपू माली आदि ने आकर्षक रांगोली बनाई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवकीनंदन तिवारी, दिनेश गोयल, लक्की मेवाती, कुलदीप, अंशुल पंडित, मुकेश खिंची, अमित विजयवर्गीय आदि मौजूद थे।

रंगोली प्रतियोगिता का किया आयोजन

अमरावती। 'माहेश्वरी अखिल भारतवर्षीय राठी परिवार संस्थान' संयोजक - कृष्ण कुमार राठी, अध्यक्ष - रेखा ललित राठी, सचिव - अरविंद राठी, कोषाध्यक्ष - योगेश राठी, संस्कृति मंत्री - सविता राठी/पूजा राठी, प्रचार मंत्री - सचिन राठी/अमित राठी एवं मुकेश राठी द्वारा रंगोली फोटो प्रतियोगिता आयोजित की गई। पुरूषोत्तम भोजराज राठी व सुरभि संकेत राठी को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।

प्रथम सामुहिक 'तुलसी विवाह' का आयोजन

भीलवाड़ा। सनातन संस्कृति में तुलसी विवाह का बहुत ही महत्वपूर्ण महत्त्व है। इस बार भीलवाड़ा में पहली बार यह सामुहिक तुलसी विवाह कार्यक्रम जनवरी मास में 'सनातन गौरव दिवस' को धूमधाम से आयोजन होगा। धार्मिक आयोजन प्रबंध एवं सेवा समिति के प्रवक्ता नन्द राम पांडिया ने बताया कि समिति की बैठक देवउठनी एकादशी को तुलसी विवाह कार्यक्रम की तैयारी हेतु आयोजित की गई। इसमें विश्व हिंदू परिषद् के बद्रीलाल सोमानी ने कहा कि सनातन संस्कृति के सभी मत के सभी पंथ के सभी जाति के परिवार इस आयोजन में भाग लेंगे। समिति के सतीश भट्ट ने कहा कि मलमास पूर्ण होते ही कार्यक्रम श्री मद भागवत सप्ताह से शुरू होकर, विवाह आयोजन के साथ पूर्ण होगा। इसमें हल्दी, मेंहदी, संगीत संध्या आदि कार्यक्रम भी होंगे।

॥ दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ ॥

नवीन प्रतिष्ठान

KAMAL
SOODS PVT. LTD.
(SUGAR MILL)

दामोदरदास मूँदड़ा
पूर्व अर्थमन्त्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

KAMAL
MICRO REFINED
RICE BRAND OIL
Available in 15 Ltrs., 15 Kgs.
& 5 Ltrs. (Can) and 1 Ltrs. (Pouch)

KAMAL SOLVENT
Extractions Pvt. Ltd.

Regd. Office : "Mundra Niwas" Rajnandgaon - 491 441 INDIA
Phone : 07744 - 241719, 224619, 224719 Cable : "Mundra" Fax : 07744 - 226319

Works : G.E. Road, Village khuteri (Somni), Rajnandgaon - 491441
Phone : 07744 - 220621, 220651, 220761, 220771

उज्जैन। पूर्व उप मेला अधिकारी सिंहस्थ एवं पूर्व संभागायुक्त आईएएस गोपाल डाड के 60 वे जन्मोत्सव के अवसर पर श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्री डाड का अभिनंदन किया। इस अवसर पर जयप्रकाश राठी, नवल माहेश्वरी, कैलाश डागा एवं पुष्कर बाहेती आदि उपस्थित थे।

दीपावली उपहार का किया वितरण

जयपुर। महासभा के सभापति संदीप काबरा के सुझाव को दृष्टिगोचर रखते हुए श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट ने दीपावली के शुभ अवसर पर ट्रस्ट से लाभान्वित होने वाली सदस्याओं को सम्मानस्वरूप एक-एक साड़ी, ABMM Maheshwari Relief Foundation से सीधे उनके बैंक खाते में एक हजार रुपये और प्रदेश सभा की तरफ से एक किलो मिठाई सदस्याओं के घर जाकर भेंट की गई। सभी सदस्याओं ने ट्रस्ट की मासिक सहायता और इस आकस्मिक भेंट का हृदय से स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय तहसील सभाओं के गणमान्यजनों से भी सौहार्दपूर्ण भेंट हुई।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा सत्र 2022-25 में आरंभ की गई "महेश अन्न सेवा" का आयोजन वर्षपर्यन्त किया जा रहा है। इसी क्रम में जीतेश-श्रुति लड्ढा के सहयोग से जरूरतमंद लोगों के लिये 24 अक्टूबर को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंद को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर संयोजक शंकर लाल लढ्ढा, सुधा माहेश्वरी, मनीष मैनाना, हेमन्त सोमानी सहित समाज के कई गणमान्य व प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाल विवाह रोकथाम पर कार्यशाला

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिए बाणगंगा स्थित बस्तियों में लोगों को समझाइश दी गई। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन करता है। जिससे उन पर हिंसा, शोषण और यौन शोषण का खतरा बना रहता है। बाल विवाह लड़कियों और लड़कों दोनों पर असर डालता है लेकिन इसका प्रभाव लड़कियों पर अधिक पड़ता है। साथ ही सोसायटी द्वारा समझाइश के दौरान लोगों को समझाया गया कि बाल विवाह की लिखित या मौखिक सूचना बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, पुलिस, ग्राम पंचायत के सरपंच किसी को भी दे सकते हैं और बाल विवाह को रोक सकते हैं।

ठंडा पानी और गरम प्रेस कपड़ों की सारी सिकुड़न सल्वटें निकाल देती है, ऐसे ही ठंडा दिमाग और ऊर्जा से भरा हुआ दिल जीवन की सारी उलझनें मिटा देते हैं।

राठी पेडेवाला

Since 1985

कॅटरींग :- हर तरह की पार्टी के लिये कॅटरींग सर्विसेस उपलब्ध है। राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती, महाराष्ट्रीयन, साऊथ इंडियन, कॉन्टीनेंटल, चायनीज,इटालियन, सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ ऑर्डर के अनुसार मिलेंगे

रेस्टॉरेन्ट :- शुद्ध शाकाहारी रेस्टॉरेन्ट

मिठाई :- ड्रायफ्रुट, घी, मावा, बंगाली, हर तरह की मिठाईयॉ उपलब्ध है

नमकीन :- विभिन्न प्रकार के सेव, चिवडा, फरसाण उपलब्ध है

बेकरी प्रोडक्टस :- ब्रेड, टोस्ट, कुकीज, खारी, केक उपलब्ध है

Add :- केडीया प्लॉट, कॉन्व्हेंट रोड, अकोला

Ph. :- 0724-2450049 मोबाईल नं. 9423428592, 9960298650

Email :- rathipedewala@gmail.com

Website :- www.rathipedewala.com

कृष्णकुमार राठी जगदीश राठी गिरीराज राठी महेश राठी

काल्या परिवार द्वारा मिठाई का वितरण

गुलाबपुरा। नगर पालिका गुलाबपुरा के चेयरमैन सुमित काल्या व अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या के परिवार बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या परिवार द्वारा गुलाबपुरा क्षेत्र में निवासरत समस्त परिवारों में दीपावली के पावन पर्व पर मिठाई का वितरण किया गया। इस हेतु लगभग 12750 मिठाई के पैकेट का वितरण किया गया। श्री चारभुजा नाथ मंदिर में ठाकुर जी को काल्या परिवार द्वारा मिठाई का भोग लगाकर मिठाई वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि दीपावली के दिन 1 नवंबर को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या का जन्मदिन भी था। हुरड़ा तहसील के समस्त गांव हुरडा, आगुचा, हिंदुस्तान जिंक कॉलोनी, रूपाहेली, भोजराज व सोड़ार में निवासरत समस्त माहेश्वरी परिवारों में भी मिठाई के पैकेट का काल्या परिवार द्वारा वितरण किया गया।

मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के मासिक 20वें निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 83 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 35 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। शिविर शुरू होने से पूर्व भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे डॉ. सोनम अग्रवाल, हरिगोपाल कड़ेल, अग्रवाल समाज के रामरतन कन्दोई, खण्डेलवाल समाज के बद्रीप्रसाद बनसिया, ओसवाल समाज के मोतीलाल तातेड़,गोड़ समाज के रामोतार शर्मा, जांगिड समाज के सीताराम रोलीवाल, स्वामी समाज के कन्हैयालाल स्वामी, सैन समाज के सत्यनारायण हर्षवाल, भार्गव समाज के ओमप्रकाश भार्गव, सारस्वत समाज के गिरधारी लाल, दाधिच समाज के उदयशंकर, खटीक समाज से रामचन्द्र खटीक माहेश्वरी समाज के नरेश पेड़ीवाल अध्यक्ष/मंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। माहेश्वरी सभा के तहसील अध्यक्ष राकेश जाजू व मंत्री रामोतार चाण्डक ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया।

KOTHARI GROUP

Wishes A Very Happy Diwali

With Gleam of Auspicious Diyas and Holy Chants, May Happiness and Prosperity Fill Your Life Forever

ERA T&D LIMITED
Plot No. D2 , MIDC Umred, Nagpur
(Unit of tower & Transmission Line & Galvanizing)

ASA Agrotech Private Limited
Lihgaon Road Mahalgaon Kamptes, Nagpur
(Unit of bird Feed Manufacturing)
Start Export House & USAD Aprroved

Shree Metals (Mujbi) Private Limited
Mujbi, Bela, NH-6, Bhandra
Recucilng Facility for Copper, Zinc, Lead, Aluminum, And all other non-Ferrous Metal
Channel Partner of HZL in Chhattisgarh and Maharashtra

Best Wishes From
Shir, Rambilasji Sarda (Chairman)
Shir. Pankaj Rambilas Sarda (MD)
Shri. Kaushik Pankaj Sarda (Director)

Head Office: Sation Road Shiwaji Ward Bhandara (MH) 441904
Emil: pankaj@asaagrotech.com, Kaushik.sarda@kotharigroup.co

राठी परिवार ने की 100 करोड़ की भूमि दान

राजस्थान सरकार करेगी रामीदेवी रामनारायण राठी गर्ल्स मिलिटरी अकादमी की स्थापना

कोलकाता। राजस्थान के बीकानेर जिले के दानदाता पूनम चन्द्र राठी ने राजस्थान सरकार को 100 करोड़ रुपये की संपत्ति दान की है। इस आशय का एक समझौता ज्ञापन श्री राठी के ट्रस्ट और राजस्थान सरकार के बीच हस्ताक्षरित हुआ। कोलकाता में आयोजित इस कार्यक्रम के अवसर पर राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायत राजमंत्री मदन दिलावर, वरिष्ठ उद्योगपति बी.डी. मूधड़ा, राजस्थान सरकार के प्राइमरी एजुकेशन विभाग के डायरेक्टर सीताराम जाट एवं सेकेन्डरी एजुकेशन विभाग के डायरेक्टर आशीष मोदी समेत कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि 100 करोड़ रुपये की संपत्ति का दान 'पूज्य रामीदेवी रामनारायण राठी गर्ल्स मिलिटरी अकादमी' की स्थापना के लिए किया गया गया है। श्री राठी ने बीकानेर जिले के जयमालसर ग्राम स्थित अपना मकान एवं 75 बीघे जमीन (कीमत 100 करोड़ रुपये) डिफेंस अकादमी के लिए दी गयी है, जहां लड़कियों एवं नवयुवतियों को डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह संपत्ति रामीदेवी रामनारायण राठी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रदान की गई है, जिसके पूनमचन्द्र राठी प्रधान ट्रस्टी हैं।

शरदोत्सव एवं डांडिया रास का आयोजन

नागदा। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष घनश्याम राठी के नेतृत्व एवं समाज के वरिष्ठ गोपाल मोहता के संयोजन में समाज द्वारा शरदोत्सव एवं डांडिया रास का आयोजन समाज के वरिष्ठ बंशीलाल राठी के निवास पर किया गया। डांडिया रास के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप प्रहलाद राठी की ओर से एवं बम्पर पुरस्कार मनोज राठी की ओर से दिया गया। अन्य पुरस्कार कार्यक्रम संयोजक गोपाल मोहता द्वारा दिये गए। दूध प्रसादी महिला मंडल द्वारा वितरित की गई। कार्यक्रम में गोविंद मोहता, बंशीलाल राठी, मुरलीधर राठी, महेंद्र बिसानी, देवकरणं डांगरा, मुकेश नवाल, रमेश राठी, मनोज राठी, अजय राठी, राजेंद्र मालपानी, महेश झंवर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष ज्योति मोहता, सचिव ऋषिता खटोड सहित समस्त महिला मंडल सदस्याऐं उपस्थित थीं। महाआरती व समाज का स्नेह भोज भी आयोजित हुआ।

With Best Compliments from

Narayan Lahoti Rasbihari Lahoti

Manufacturers of Alum

Ganpati

Chemicals & Minerals

Office

Ganpati Complex, Main Road, Bhandara (MS.)-441904

Work

Gat No. 89/1, Village- Ashok Nagar,
National Highway No. ,
Post-Shahapur, Dist. Bhandara (MS.)

वरिष्ठ सम्मान समारोह संपन्न

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई ने अपने इतिहास में पहली बार वरिष्ठ सम्मान उत्सव का आयोजन गत 10 नवंबर को अरुम्बाक्कम स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज में किया। कार्यक्रम के संयोजक गौरी शंकर राठी ने बताया कि विजया दशमी के शुभ मुहूर्त से हमने घर-घर जाकर आमंत्रण देने का कार्यक्रम प्रारंभ किया था। सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडल द्वारा सभी वरिष्ठ जनों का तिलक कर स्वागत करने से हुई। सम्मान की श्रृंखला में सर्वप्रथम पाद पूजन किया गया, तत्पश्चात शॉल, माला और स्मृतिचिह्न देकर सभी वरिष्ठजनों का भावपूर्ण सम्मान किया गया। डी.जी. वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में राजस्थान एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण टाटीया, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय गोयल, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष अशोक केडिया, तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, ऑल इंडिया माहेश्वरी कार्यसमिति के सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, सभा के उपाध्यक्ष कमल गोयदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, सहसचिव सुरेश भट्टड़, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष प्रेमलता टावरी, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष किशन झंवर, श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष वल्लभ दास कंधारी, श्री माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष रविंद्र डागा, श्री माहेश्वरी युवा मंडल से मदन राठी, श्री माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, तमिलनाडु माहेश्वरी फ़ाउंडेशन के सचिव कमल फलोर राजस्थान एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बजाज, जयप्रकाश मालपानी आदि उपस्थित थे।

प्रो. माहेश्वरी के सम्मान में सड़क का होगा नामकरण

प्रमुख शिक्षाविद् के रूप में रही थी आसाम में प्रो. माहेश्वरी की ख्याति-प्रथम बार आसाम में माहेश्वरी के नाम होगा मार्ग

बरपेटा रोड (आसाम)। राजस्थान के सुजानगढ़ निवासी स्वगीय रामअवतार माहेश्वरी (बरपेटा रोड) के शिक्षा व बृहत्तर असमिया समाज के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए बरपेटा रोड़ के मेयर राजेश सरकार ने शहर की प्रमुख व्यवसायिक सडक, जिसमें मुख्यतः मारवाड़ी समाज के सालो पुराने व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं आवास स्थित है, (प्रभा मेडिकल से एल आई सी ऑफिस तक) का नाम रामअवतार माहेश्वरी पथ करने की घोषणा की है। यह समस्त माहेश्वरी (सारडा) परिवार के व पूर्वोत्तर मारवाड़ी समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

स्वगीय प्रोफेसर माहेश्वरी की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनके नाम पर वार्ड क्रमांक 5 के एक प्रमुख मार्ग का नामकरण करते हुए एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बरपेटा रोड पौरसभा के सभापति राजेश सरकार और विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएच कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण चंद्र पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरपेटा रोड साहित्य सभा के सभापति हितेश दास ने की। उद्घाटन समारोह के उद्देश्यों की व्याख्या समाजसेवी भैरू कुमार शर्मा द्वारा की गई। सभापति राजेश सरकार ने इस पहल को बरपेटा रोड के लिए एक गर्व और सम्मान का प्रतीक बताया। डॉ. भूषण चंद्र पाठक ने अपने उद्बोधन में स्वगीय प्रोफेसर माहेश्वरी को एक आदर्श व्यक्तित्व बताते हुए उनके सिद्धांतों और मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस आयोजन में शहर के विभिन्न वार्डों के कमिश्नर, संस्थाओं के पदाधिकारी, और बडी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

शिक्षा की अलख जगाने वाले समाज सेवी

प्रो. माहेश्वरी शिक्षा के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। कॉलेज में शिक्षा दान के साथ वे छात्र- छात्राओं से व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए शिक्षक थे। किसी भी विद्यार्थी को अध्ययन के प्रति निराश देखते तो व्यक्तिगत रूप में उसे अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए हर संभव मदद करते थे। छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति उत्साहित करना उनके जीवन का प्रमुख मकसद था और विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए उन्होंने घर-घर जाकर विद्यार्थियों को मनाया। हजारों विद्यार्थियों के बिगड़ते भविष्य को उज्जवल करने में प्रमुख भूमिका निभाई और मार्गदर्शन किया। आपका 20 नवंबर 2022 को 74 वर्ष की आयु में इनका निधन हुआ था, तब वरपेटा रोड़ पर अनेक सामाजिक संस्थाओं ने इनकी शवयात्रा का सम्मान किया। इस सम्मान के चलते इनकी शवयात्रा को लगभग 2 घंटे रोकना पड़ा।

अनेकों शिक्षण संस्थानों में योगदान

द्रोणाचार्य एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित द्रोणाचार्य अकादमी वरपेटा रोड के 2006 से 2022 तक लगातार अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। बी एच कालेज परिचालन समिति (जीबी) के अध्यक्ष (सत्र 2009-15) तथा शंकरदेव शिशु निकेतन वरपेटा रोड अध्यक्ष (2010 में 2022) रहे। गोहाटी कॉमर्स कॉलिज में एमबीए कक्षाओं के लिए मानद प्रोफेसर के रूप में सत्र 2009 से 2014 तक सेवा दी।

लखानी परिवार,
मलकापुर

इंडियनऑयल
Trust of Generations

रचना गॅस ॲन्ड अप्लायसेंस

ईण्डेन डिस्ट्रब्युटर, लखानी इस्टेट, नांदुरा रोड, मलकापुर-443101
7276226952, 7276725525

जिला सभा की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा की कार्यकारी मंडल के बैठक गत 24 नवंबर को तहसील सभा मंडल के अनुरोध पर नगर सभा बागोर में आयोजित की गई। बैठक में जिले से अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं तहसील सभाओं के अध्यक्ष मंत्री, जिला सभा के कार्यकारी मंडल सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी। पूर्व सभापति रामपाल सोनी, महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या, महासभा के संयुक्त मंत्री जगदीश कोगटा, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, महासभा कार्यसमिति सदस्य एवं निवृतमान प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं महासभा कार्यसमिति सदस्य राधेश्याम सोमानी, जिला सभा के अध्यक्ष अशोक बाहेती, अखिल भारतवर्षीय माहेष्वरी महिला मंडल के पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा भदादा, प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा, जिला अध्यक्ष प्रीति लोहिया, जिला मंत्री भारती बाहेती के साथ ही भीलवाड़ा जिला माहेष्वरी सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप बलदवा, उपाध्यक्ष रामराय सेठिया आदि मंचासीन थे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के दिशा निर्देशानुसार जननी सम्मान निधि योजना के अंतर्गत मांडल तहसील के भगवानपुरा ग्राम निवासी गोपाल बाहेती के यहां चार संतान होने पर उन्हें सम्मानित किया गया। सभी पदाधिकारियों ने मार्गदर्शन दिया। महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या ने अपने उद्बोधन में महासभा की योजनाओं की जानकारी दी।

रामराज्य की स्थापना हेतु सुंदरकांड

भीलवाड़ा। श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के भीलवाड़ा आगमन पर सुंदरकांड समितियों ने 'अखण्ड भारतवर्ष' और 'राम राज्य की स्थापना' के लिए सुंदरकांड पाठ का आयोजन हनुमान टेकरी पर किया। प्रभारी शिव नुवाल ने बताया कि गोपाष्टमी के पावन पर्व पर रामराज की स्थापना के लिए विशेष पाठ पूज्य महंत बनवारीशरण जी महाराज काठिया बाबा के सान्निध्य में किया गया। इस अवसर पर पाठ करने वालों में कैलाश लाछुड़ा, भगवती लाल महेश्वरी, राकेश सेन, राधव दाधीच, चेतन जोशी, दुर्गा लाल सोनी, रामेश्वर ईनाणी, दिनेश मंत्री, दुर्गेश वैष्णव, दिनेश काबरा, गिरीश बाहेती सहित हजारों भक्त उपस्थित थे। रामराज्य की स्थापना हेतु 'हनुमान ज्योत' जागृत की गई। इस ज्योत को विश्व हिंदू परिषद् के बद्रीलाल सोमानी ने मंत्रोच्चार के साथ प्रज्जवलित किया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

उज्जैन। चिकित्सा प्रकोष्ठ अन्तर्गत आयोजित निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण शिविर में डाक्टर एस के जैथलिया (नाक कान गला सिर एवं गर्दन रोग विशेषज्ञ) द्वारा गत 21 नवम्बर को माहेश्वरी क्लीनिक 11 शंकु मार्ग हार फूल वाली गली में माहेश्वरी परिवारों के रोगियों का निःशुल्क परीक्षण कर परामर्श देकर अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की गई। इसी प्रकार डॉक्टर आभा जैथल्या (मेडिकल आफिसर जिला चिकित्सालय उज्जैन नेत्र रोग विशेषज्ञ) द्वारा भी 21 तथा 22 नवम्बर को माहेश्वरी क्लीनिक 11 शंकु मार्ग हार फूल वाली गली में निःशुल्क परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इस अवसर पर शोभा सारडा, सीमा पलोड़, कैलाश नारायण चांडक, गोविन्द मूंदड़ा, नलिनी मूंदड़ा, माना पलोड़, महेश तोषनीवाल, पुरूषोत्तम सारडा, गिरधर बजाज, गंगा बजाज, निलेश झंवर, आशा झंवर आदि उपस्थित थीं। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी तथा सुनिल पलोड़ ने डॉ. एस के जैथल्या तथा शीला राठी ने डॉ. आभा जैथल्या का मोतियों की माला से स्वागत किया गया। पश्चिमांचल प्रतिनिधि गिरीश भट्टड़ ने आभार व्यक्त किया।

With Best Compliments From

Shri Krishna Udyog

Mfg. of Brass Circles utensils, Road, Hex & Flats
Mfg. of Stoneless Sortex Rice

Udyog Nagar, Bhandara - 441904 (MS)
Mob. : 7020132006
email : krishnaudyog18@gmail.com

कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा 10 नवम्बर को आयोजित वरिष्ठ सम्मान उत्सव की सफलता के बाद, एक विशेष बैठक और उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सभी कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सम्मान उत्सव की सफलता के पीछे सभी कार्यकर्ताओं की कठिन मेहनत और योगदान है। डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने वरिष्ठजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। सभा सचिव संजय मूंधड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम के सूत्रधार सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने अपनी कार्यकारिणी सभा में इसे लेकर चर्चा की थी और इसे क्रियान्वित करने के लिए सभी से अपील की थी। सभा अध्यक्ष डॉ. मूंधड़ा का उपस्थित सभी सदस्यों ने खड़े होकर तालियों द्वारा उनका अभिनंदन किया। सभा सचिव संजय मूंधड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं और उपस्थित व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। मद्रास चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया, माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, राजस्थान एसोसिएशन तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बजाज, श्री माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष प्रेमलता टावरी, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष किशन झंवर, श्री माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष रविन्द्र डागा, श्री माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मदन राठी, श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के समन्वयक महेंद्र बिहानी, समन्वय की अध्यक्ष निकिता चांडक आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाने लगाया टीका

नागपुर। कार्यालय प्रतिनिधि. सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए नागपुर जिला माहेश्वरी सभा एवं नगर माहेश्वरी महिला समिति नागपुर द्वारा टीकाकारण कार्यक्रम का आयोजन महासभा के केंद्रीय कार्यालय के चुन्नीलाल सोमानी सभागार में किया गया। इसमें करीब 300 बेटियों और महिलाओं ने भाग लेकर पहला टीका लगवाया। जिलाध्यक्ष प्रगति माहेश्वरी, नगर समिति अध्यक्ष नीता सारडा, जिला सचिव मीनू भट्टड़ व नगर समिति सचिव ज्योति मंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम को स्वस्थ वृक्ष फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. दीपिका चंडोक के सहयोग से पूरा किया गया। इसमें संयोजक मंडल की सरिता सारडा, अंशु काबरा, रूपा चांडक, रेणु नबीरा, पूनम झंवर, पूजा लद्धड़, स्वाति सांवल, अमिता गांधी, लता सारडा, संगीता भट्टड़, स्नेहा मालू, कल्पना मूंदड़ा, पूजा राठी, अनीता राठी के साथ संयोजक योगेश राठी, निवर्तमान महासभा सभापति श्यामसुंदर सोनी आदि का योगदान रहा।

डॉ. तापडिया को मानद डाक्टरेट की उपाधि

अमरावती। होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. रामगोपाल तापडिया को नेपाल के प्रसिद्ध गांधी पीस फाउंडेशन द्वारा डाक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। विगत दिनों वर्धा में आयोजित कार्यक्रम में उन्हे यह सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। वर्धा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवाग्राम आश्रम के सचिव डॉ. प्रभाकर पुसदकर ने की। मुख्य अतिथि डॉ. गोविंद कासट उपस्थित थे। गांधी शांति प्रतिष्ठान के भारत प्रमुख डॉ. सुनिल परदेशी, डॉ. प्रगति मारकवाड, डॉ. शीतल विसावे विशेष के रूप में से उपस्थित थी। डॉ. तापडिया ने प्राचार्य के रुप में 38 साल, बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष के रुप में 18 साल और विनियमन समिति के अध्यक्ष के रुप में 8 साल तक विश्वविद्यालय में सेवाएं दी। उन्होंने होम्योपैथी के 58 सेमिनारों में भाग लिया है और उनके शोध देश के कई जनरल्स में भी प्रकाशित हुए हैं।

पुर्वा कंसलटन्सी

नवनीत लाखोटीया

• आकोला रोड, आकोट
• सातव चौक आकोला
☎ (07258) 222572, मो. 9822225172

समाज के सभी सदस्यों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

दीपावली स्नेह मिलन में अध्यक्ष होलानी की अपील पर अद्भूत निर्णय

राजकोट। माहेश्वरी समाज में मानवता की भावना किस तरह शिखर को छू रही है, इसका दृष्टा सम्पूर्ण राजकोट शहर बना। स्थानीय माहेश्वरी समाज के सभी परिवारों ने नेत्रदान का संकल्प लेकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

गत 18 नवंबर रात को राजकोट माहेश्वरी समाज के इस सत्र 24-25 के द्वितीय स्नेह सम्मेलन का आयोजन हुआ। दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अध्यक्ष प्रतिभा होलानी ने इस अवसर पर नेत्रदान महादान को नजर में रख पूरे समाज से नेत्रदान के संकल्प पत्र भरने की अपील की। डॉक्टर मुकेश पोरवाल (रेटिना हॉस्पिटल) ने नेत्रदान से कितनी जिंदगियां रोशन होती हैं एवं उसके अन्य क्या-क्या फायदे हैं, यह विस्तार से एवं बहुत ही सहज रूप से समझाया। बस फिर क्या था शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी समाजजनों ने भी सामाजिक एकता दर्शाते हुए सामूहिक प्रयास किया एवं सभी 57 सदस्यों ने यह संकल्प पत्र भरा। इस कार्यक्रम की यह खूबसूरती रही कि डॉक्टर के उद्बोधन से प्रेरित हो किशोर-किशोरियों ने भी यह संकल्प पत्र भरा। डॉ. पोरवाल, सुनीता भदादा, प्रियंका काबरा, शिल्पा भट्टड़ विशेष रूप से उपस्थित थे। अंत में समाज के सभी सदस्यों ने सामूहिक भोज का आनंद लिया।

With Best Compliments From

Hemant Maheshwari (Radheshyam)
73541 44111, 94252 44267

Pranay Maheshwari
77730 44111, 94060 96405

Balaji Pulses

Durg Balod Road, Chandkhuri, Durg (C.G.)

Ph. : 0788-2625220 Email : balajipulses@gmail.com

वायु सेना दिवस का किया आयोजन

जयपुर। विनय भारद्वाज (ग्रुप कैप्टन) के सान्निध्य में भारतीय वायु सेना का 92 वां स्थापना दिवस रिटायर्ड सार्जेंट लालचंद कचोलिया के संयोजन में सम्पन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम में दि एज्युकेशन सोसाइटी ऑफ दि माहेश्वरी समाज समिति के वरिष्ठ सदस्य बृजगोपाल भूतड़ा की अध्यक्षता में कॉलेज की प्रिंसिपल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वयोवृद्ध दायित्ववान माणकचंद चरखा व पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी तथा बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। ग्रुप कैप्टन श्री भारद्वाज ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे बेधड़क होकर वायु सेना में शामिल होकर माहेश्वरी समाज को ऊँचाइयों पर ले जाने का प्रयास करें। राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

दीपावली पर जरूरतमंदों को उपहार

बठिंडा। महासभा एवं प्रदेश सभा के आग्रह चलो दीप जलाए वहां जहां अभी अंधियारा है, को साकार रूप देने के लिए हरियाणा पंजाब प्रादेशिक ट्रस्ट ने सभी जरूरतमंद परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें दीपावली शगुन भेट करने की योजना बनाई। इस कार्य को साकार रूप देने के लिए माहेश्वरी सभा बठिंडा के अध्यक्ष कृष्ण कुमार मालपानी, महिला संगठन अध्यक्ष सविता होलानी, सचिव अंजू मालपानी, प्रादेशिक ट्रस्ट के सचिव सोहन माहेश्वरी एवं प्रादेशिक सभा सचिव जगदीश मंत्री ने रामा मंडी, जैतो मंडी, बठिंडा एवं नथ बघेर आदि जगह पर जाकर समाज के हितग्राही एवं जरूरतमंद परिवारों से प्रत्यक्ष संपर्क कर उन्हें दीपावली का शगुन भेंट किया। साथ ही उनकी आमदनी बढ़ाने एवं उन्हें स्वयं सक्षम बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर, प्रदेश ट्रस्ट या महासभा के ट्रस्ट के माध्यम से सहयोग कर किसी भी प्रकार से उनका जीवन स्तर ऊपर हो इसके लिए आवश्यकतानुसार कार्य योजना बनाई। इस कार्य में रामामंडी से अमित होलानी (गोल्डी माहेश्वरी), महिला संगठन अध्यक्ष ज्योति होलानी, युवा सचिव प्रिंस माहेश्वरी, जैतो मंडी से अध्यक्ष एडवोकेट नीरज चांडक, सुरेन्द्र चांडक, महिला संगठन अध्यक्ष प्रीति चांडक, अनु चांडक आदि ने पूर्ण सहयोग दिया।

अगर कोई चुप रहता है तो इसका मतलब यह नहीं कि बेवकूफ है उसे कुछ नहीं आता, मैंने अक्सर बुद्धिमान को कम बोलते और मूर्ख को जरूरत से ज्यादा बोलते देखा है।

राठी दम्पत्ति स्थापना दिवस में शामिल

चेन्नई। एक भारत श्रेष्ठ भारत की श्रृंखला में भारत के विभिन्न प्रदेश एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह गत 04 नवम्बर को चेन्नई के राजभवन में सम्पन्न हुआ। मध्यप्रदेश प्रवासी संघ, चेन्नई की ओर से नवलकिशोर राठी एवं उनकी धर्मपत्नी सुरेखा राठी ने प्रतिनिधित्व किया। तमिलनाडु प्रदेश के राज्यपाल-महामहिम आर. एन. रवि का नवलकिशोर राठी ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ द्वारा अभिनन्दन किया। इसी अवसर पर राज्यपाल ने मध्यप्रदेश की बेटी डॉ. स्वाती पालीवाल (डीन- गुरू नानक कॉलेज, चेन्नई) का सत्कार भी किया गया।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त
शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता
आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

www.rathi.com

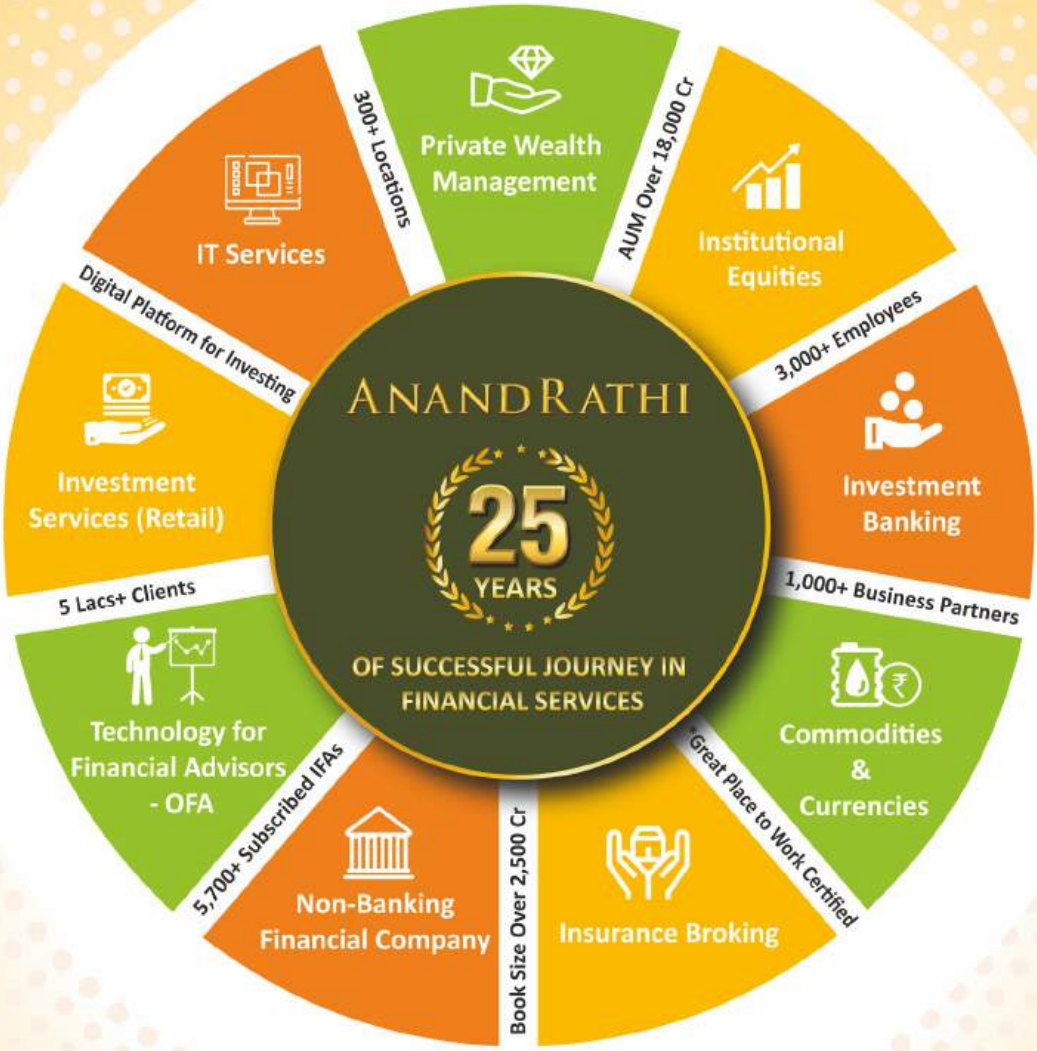

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E), Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

एक कर्मयोगी को श्रद्धांजलि

18 वर्ष पूर्व हमारे मन में अपनी अमिट याद छोड़कर अनन्त यात्रा पर चले गए। अनुकरणीय व्यक्तित्व श्री राठी ने पुरानी कहावत 'कार्य शब्दों से अधिक बोलता है' को चरितार्थ करते हुए हमेशा अपनी मौन उपस्थिति दर्ज कराई। उनके न रहने के कारण जो अन्धकार छा गया है उसे हम उनके जीवन दर्शन के प्रकाश से दूर करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उस समय जब किसी को मेट्रिमोनियल web site की कोई जानकारी नहीं थी ऐसे में अपनी सूझबूझ से सन 2000 में नई सोच के साथ वैवाहिक समस्याओं को दूर करने के लिए आपके द्वारा उठाया यह पहला कदम बहुत सराहनीय व सफल रहा। आपके आशीर्वाद से **maheshwari .org website** अनवरत चल रही है।

maheshwari.org
के संस्थापक

श्री द्वारकादास राठी
20.02.1959 - 28.10.2006

SINCE 2001

आपके जीवनसाथी की खोज में

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

माता महालक्ष्मी की उपासना का महापर्व दीपावली सभी ने पूरी धूमधाम से मनाया। इसके पश्चात् विभिन्न समाज संगठनों द्वारा दीपावली मिलन समारोहों का आयोजन अपनी परम्परानुसार किया जा रहा है। इनमें मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ ही समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास भी जारी है। इसी महोत्सव के अन्तर्गत अन्नकूट का भी आयोजन हुआ।

दीपावली के बाद स्नेह मिलन का दौर

श्री माहेश्वरी महालोक सेवा संगठन ने मनाया अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह

1500 से अधिक समाज बन्धुओं ने अन्नकूट का लाभ लिया

उज्जैन। श्री माहेश्वरी महालोक सेवा संगठन द्वारा अंकपात स्थित श्री महेश धाम पर श्री गिरिराजजी का 56 भोग से अन्नकूट लगाया गया। दीपावली मिलन समारोह और भजन संध्या के साथ पलाश के पत्ते के दोना-पत्तल में प्रसादी, जूठा नहीं छोड़ने के संदेश लिखे स्लोगन, द्वार पर आने वालों का फूलों से स्वागत किया गया। भवन निर्माण ट्रस्ट सहसचिव पुष्कर बाहेती ने बताया कि इस आयोजन में उज्जैन में रहने वाले समग्र माहेश्वरी बन्धुओं को आमंत्रित किया था। शाम 6 बजे श्री गिरिराजजी की आरती के बाद भजन संध्या और अन्नकूट का आयोजन हुआ। इस अन्नकूट महोत्सव में उपस्थितिजनों ने सेवा संगठन के इस सफल प्रयास की प्रशंसा की। इस आयोजन में शहर के 1500 से अधिक समाजजन सम्मिलित हुए। आयोजन समिति के सदस्यों रमेश हेड़ा, दिलीप लोया, शैलेंद्र राठी, महेंद्र परवाल, प्रखर काकाणी, राकेश चितलांग्या, महेश लड्ढा, राजेंद्र समदानी, संदीप सारड़ा, मुकेश लड्ढा, नवीन बाहेती, संजय लड्ढा, दिनेश लड्ढा, अशोक माहेश्वरी, जयप्रकाश राठी, कैलाश डागा, विजय चिचाणी, रामावतार लड्ढा, दिनेश डाड, अरूण परवाल, नरेन्द्र चितलांग्या, गोपाल लखोटिया, ओपी तोतला, श्याम माहेश्वरी आदि ने बताया कि माहेश्वरी समाज में पहली बार इतनी संख्या में समाजजन किसी आयोजन में शामिल हुए।

नागदा। माहेश्वरी समाज नागदा के अध्यक्ष घनश्याम राठी के नेतृत्व में दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में उज्जैन से आये श्री माहेश्वरी टाइम्स के संपादक पुष्कर बाहेती, उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश लड्ढा, जिला सचिव नवीन बाहेती, नवल माहेश्वरी एवं कैलाश डागा उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन समाज अध्यक्ष घनश्याम राठी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में महिला मंडल द्वारा धार्मिक प्रस्तुतियां दी गई। अतिथि उद्बोधन में पुष्कर बाहेती ने नागदा माहेश्वरी समाज के सभी कार्यक्रमो की सराहना करते हुए समाज द्वारा की गई जनहित, परोपकारी धार्मिक, सामाजिक सेवाओं तथा धार्मिक यात्राओं का भी उल्लेख किया। गोविंद लाल मोहता, बंसीलाल राठी, गोपाल मोहता, नरेंद्र राठी, राजेंद्र मंडोवरा, राजेंद्र मालपानी, रमेश मोहता, महेंद्र बिसानी, आनंद गगरानी, मनोज राठी राधेश्याम राठी, प्रतीक सोडानी, जमनालाल मालपानी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज ने दी।

बुलढाणा। माहेश्वरी मंडल द्वारा बुलढाणा अर्बन वेद विद्यालय के राधाकृष्ण मंदिर में दीपावली की पड़वा के दिन परंपरागत 'अन्नकूट उत्सव एवं दीपावली स्नेह मिलन' कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में वेद विद्यालय के ब्रह्मवृंदों द्वारा आरती एवं भोग लगाया गया। कार्यक्रम में जानेफल निवासी रमेशचंद्र गटटानी का राष्ट्रपति जल पुरस्कार मिलने के उपलक्ष्य में भाईजी राधेश्याम चांडक द्वारा सत्कार किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजगणों ने अन्नकुट प्रसाद का लाभ लिया। बुलढाणा अर्बन के भाईजी राधेश्याम चांडक, कमलनयन लाहोटी, चित्तरंजन राठी, अरुण भूतड़ा, डॉ. कन्हैय्या राठी, रविंद्र लद्दड़, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष महेंद्र झंवर, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा भारती झंवर, सुमन बाहेती के साथ ही बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में माहेश्वरी मंडल के निलेश बाहेती, डॉ. पवन बजाज, नरेश मूंदड़ा, रितेश लड्ढा, नितिन डोडिया, घनश्याम चांडक, संतोष चांडक, जयप्रकाश टावरी, विनोद राठी, कमलेश चांडक, महेश भक्कड आदि सदस्यों ने योगदान दिया।

AR. SAKSHI TAORI
+91 7758885949
sthapatidesign24@gmail.com
Shop No 1, Cotton Market Yard,
Khamgaon, 444303
स्थापति
Design Studio
श्री गोपाल राधेश्याम टावरी
ग्रेन मर्चेंट एण्ड कमीशन ऐंजट
शॉप नं 1 कॉटन मार्केट, खामगाव Mo. 95185 74916, 94221 80098

बठिंडा। माहेश्वरी सभा की ओर से, महिला मंडल एवं युवा संगठन के सहयोग से, दीवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पिछड़ी बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए ज्ञान ज्योति एजुकेशन मुफ्त कोचिंग सेंटर के संचालक शुक्ल माहेश्वरी, ज्योति होलानी, आरती माहेश्वरी, युवा समाज सेवी सुमित माहेश्वरी आदि समाज सेवियों का सम्मान किया गया। साथ ही समाज के रक्तदाता सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। मेधावी छात्रों और प्रोफेशनल डिग्री लेने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गुजरात से आए हुए माहेश्वरी परिवार के सदस्यों का सम्मान किया गया एवं 25 व्यक्तियों के संयुक्त परिवार के मुखिया ताराचंद माहेश्वरी का विशेष समान किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन गोविंद डागा ने बखूबी किया। बच्चों के डांस, गेम्स आदि भी करवाए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल अध्यक्ष सविता होलानी, पूनम राठी, रिम्पी कोठारी, डॉ. रामनारायण माहेश्वरी, प्रवीण मिमानी, राजेंद्र लखोटिया, सुशील मूंदड़ा, सुप्रीम कोठारी आदि का सहयोग रहा।

उदयपुर। गत 10 नवम्बर को महेश माहेश्वरी सोसायटी द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं प्रतिभावान विद्यार्थियो के सम्मान समारोह - 2024 का आयोजन माहेश्वरी सेवासदन, तीज का चैक, धानमंडी में हुआ। प्रचार प्रसार मंत्री अनिल कुमार सोमानी ने बताया कि मुख्य अतिथि रामप्रसाद मूंदड़ा थे। जमनेश धुप्पड़, शैलेश माहेश्वरी, राजेश अजमेरा, अमित तोषनीवाल, दिनेश दरगड़ आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्ष कैलाश कालानी ने बताया कि इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। अध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव ब्रजगोपाल माहेश्वरी व मुख्य अतिथि रामप्रसाद मूंदड़ा ने कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों व विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन गोतम सोमानी, अपेक्षा कालानी एवं महिला महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी की अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल ने किया।

॥ श्री ॥
॥ ज्ञानम् विज्ञान सहितम् ॥

स्थापना वर्ष 1969

श्री ब्रजलाल बियाणी शिक्षा समिति

सत्र 2012-13 से भाषिक (हिंदी) अल्पसंख्यांक दर्जा प्राप्त

बियाणी शैक्षणिक परिसर, शिलांगण रोड, अमरावती - 444605

ओमप्रकाश लड्ढा (अध्यक्ष)

सुनिल कुमार गोयनका (सचिव)

देवदत्त शर्मा - उपाध्यक्ष | ओमप्रकाश नावंदर - सहसचिव | गोपाल राठी - कोषाध्यक्ष | विनोदकुमार सामरा - उपाध्यक्ष

- कार्यकारिणी समिति सदस्य -

प्रकल्प राठी ■ ॲड. राजेश राठी ■ हनुमानदास मानका ■ अशोक अग्रवाल ■ डॉ. राजिव बियाणी ■ संजयकुमार ककरानिया
दीपक कासट ■ आदित्यराज गगलानी ■ कैलाश नावंदर ■ राजकुमार अग्रवाल ■ प्रशांत राठी

संचालित संस्थाएं

ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय, (वरीष्ठ महाविद्यालय)	(बी.एस्सी., बीसीए, बीबीए., बी.कॉम., एम.कॉम., बी. व्होक., एम. व्होक.) एम.एस्सी.-केमेस्ट्री, बॉटनी, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित, कॉम्प्युटर सायंस, बी.ए. लिबरल आर्टस्
ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय (कनिष्ठ महाविद्यालय)	(विज्ञान शाखा एवम् वाणिज्य शाखा)
नारायणदास लड्ढा हायस्कुल, अमरावती.	(सेमी अंग्रेजी)
सावित्रीदेवी बियाणी विद्या मंदिर, अमरावती.	(हिंदी प्राथमिक शाला)
रघुनाथमल कोचर बालक मंदिर, अमरावती.	(हिंदी बालमंदिर)
भंवरीलाल सामरा इंग्लिश हायस्कुल, अमरावती.	(अंग्रेजी माध्यम)
मोहनलाल सामरा मॉन्टेसरी एवम् प्राथमिक शाला, अमरावती.	(अंग्रेजी माध्यम)

सदस्यों द्वारा प्रायोजित मेधावी छात्रों को पारितोषिक

इटारसी। श्री माहेश्वरी समाज इटारसी का दीपावली मिलन कार्यक्रम होटल द पार्क में उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा मध्यांचल के उपसभापति विजय राठी, समाज अध्यक्ष रमेश चांडक, सचिव नीतेश राठी महिला संगठन की अध्यक्ष रेखा राठी, सचिव रितु राठी, ज़िला सभा की सहसचिव संध्या सारडा ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सीतादेवी गोपीराम खटोड कालीकट द्वारा लिखित पुस्तक 'म्हारी संस्कृति पूजन विधान परम्परा' का विमोचन किया गया। उपसभापति विजय राठी ने इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में माहेश्वरी समाज की घटती संख्या पर चिंतन करने का आह्वान करते हुए तीसरी संतान को जन्म देने वाली माँ का सम्मान कर 51000/- की राशि नगद देने की बात कही। महासभा द्वारा चलाई जा रही 5 फ्लैगशिप योजनाओं आदि विषयों की जानकारी विस्तार से दी गई। कार्यक्रम का संचालन शुभ्रा चांडक द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष रमेश चांडक, महिला अध्यक्ष रेखा राठी एवं अधिवक्ता रामकिशन बंग ने भी अपने विचार रखे।

रतलाम। श्री माहेश्वरी समाज रामोला ट्रस्ट के तत्वावधान में आज दिनांक 9 नवंबर को श्री रामोला मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। ट्रस्ट मंडल के प्रत्येक परिवार के परिजनो ने अपने शुद्ध मनोभाव से तरह-तरह के व्यंजन मिठाई व नमकीन अपने घरों से बना कर लाये गये थे। रामोला ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मालपानी ने सभी भक्त जनों का स्वागत किया तत्पश्चात सभी को महाप्रसादी ग्रहण करायी गई। श्री माहेश्वरी महिला मंडल जिला अध्यक्ष ललिता सोमानी और जिला माहेश्वरी सभा के सचिव जितेंद्र माहेश्वरी की विशेष उपस्थिति रही। उक्त जानकारी ट्रस्ट सचिव गोविंद मालपानी द्वारा दी गई। न्यासी हीरेंद्र मालपानी, नवल किशोर राठी, चंद्रकांत काबरा, ओम प्रकाश राठी, राधेश्याम माहेश्वरी, अशोक माहेश्वरी, बालकृष्ण माहेश्वरी की भी सपरिवार उपस्थिति रही।

महेश अर्बन को. ऑप.क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

गौरक्षण कॉम्पलेक्स बुलढाणा रोड, मलकापूर र.न.१२२७, मो.नं. ७५८८३०२२७७३

वैशिष्टे

संस्थेला सतत अंकेक्षण वर्ग 'अ'

सतत १० वर्षापासून बॅको पतसंस्था पुरस्कार
महाराष्ट्र राज्य फेडरेशन व्दारा सलग पाचवेळा दिपस्तंभ पुरस्कार
विदर्भ क्रेडिट को.ऑप. फेडरेशनचा उत्कृष्ट संस्था जिल्हा पुरस्कार
बुलडाणा जिल्हा फेडरेशन व्दारा उत्कृष्ट संस्था जिल्हा पुरस्कार

आर्थिक स्थिती दि. ३१/०३/२०२४

▶ एकुण ठेवी ४६.०१ कोटी ▶ कर्ज वितरण ३५.३२ कोटी ▶ गुंतवणुक १५.७४ कोटी ▶ भाग भांडवल १.६५ कोटी ▶ नफा ३१.२५ लाख

आकर्षक व्याज दराच्या योजना

▶ ४६ दिवसांकरिता ७ टक्के ▶ ९२दिवसांकरिता ८ टक्के ▶ १८४ दिवसांकरिता ८.५ टक्के ▶ १८ महीने ९.५ टक्के
▶ जेष्ठ नागरिकांकरिता अर्धा टक्के जास्त ▶ धनश्री योजना- ७.५ वर्षात दाम दुप्पट ▶ सोने व चांदीवर त्वरीत कर्ज सुविधा उपलब्ध
▶ सोने तारण कर्ज १२ टक्के, नवीन वाहन १२ टक्के, इतर कर्जावर १४ टक्के ▶ वैयक्तीक कर्ज १५ टक्के.

संस्थेचे सामाजिक व लोकोपयोगी कार्य

▶ सभासदांच्या प्राविण्य प्राप्त पाल्यांना पुरस्कार ▶ वृक्षारोपण कार्यक्रम ▶ सामाजिक व राष्ट्रीय उपक्रमात सहभाग
▶ राष्ट्रीय आपात स्थितीत आर्थिक व सक्रीय सहाय ▶ सभासदांचा १,००,०००/- विनामुल्य सुरक्षाविमा ▶ बेवारस प्रेताचा अंतीमसंस्कार

सेवेत सदैव तत्पर
व्यवस्थापक व कर्मचारी वृंद

शुभेच्छुक
अध्यक्ष व संचालक मंडळ

महेश अर्बन को. ऑपरेटिव्ह क्रेडिट सोसायटी मर्यादित मलकापूर

कोलकाता। दक्षिण कलकता सभा महिला एवं युवा द्वारा दीवाली मिलन इस्कॉन हाउस कोलकाता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीए सी एस सारदा व विशिष्ट अतिथि विनोद फोमरा की उपस्थिति में हुआ। समारोह का संचालन अनिता तोषनीवाल दक्षिण युवा सांस्कृतिक मंत्री ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में, बच्चों और युवाओं द्वारा नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन प्रस्तुतियों में पारंपरिक भारतीय नृत्य और संगीत के साथ-साथ आधुनिक प्रस्तुतियों ने समाज बंधुओ को मंत्रमुग्ध कर दिया। कोलकाता प्रदेशिक महेश्वरी सभा के अध्यक्ष विनोद जाजू, सचिव संपत मानधाना, उपाध्यक्ष दिलीप लाहोती और गणेश बागड़ी ने अपने संबोधन में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन अभियान के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम को सफल करने मे राजेश नागोरी, मुरली मनोहर मानधना, हरीश जाजू, भगवती प्रसाद मूंदड़ा, सुमन कोठारी, रामकिशोर मानधना, अभिषेक तोषनीवाल, संदीप मुंदड़ा, अमृत तांशू मानधाना, कृष्णकांत मानधाना, शालिनी मानधाना, मधुश्री मानधाना, सीमा कोठारी, राधे श्याम कोठारी, आस्था मूंदड़ा और मोहित पचिसिया आदि का योगदान रहा।

देवास। माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी राजेंद्र मूंदड़ा, अध्यक्ष मनोज बजाज ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज का अन्नकूट महोत्सव 06 नवंबर को भगवान का पूजन एवं महाआरती के साथ मनाया गया। इसके अंतर्गत भेरूगढ़ स्थित राम मंदिर पर सायं 7 बजे महाआरती संपन्न हुई। तत्पश्चात पूरे समाज की भोजन प्रसादी रखी गई। आरती के पूर्व साधारण सभा साय 6 बजे रखी गई थी। साधारण सभा में मनोज बजाज, अनिल झंवर, कल्याण भूतड़ा, कैलाश डागा, राधावल्लभ सिंगी, विपिन डागा, राजकुमार भूतड़ा, नितिन चांडक, सत्यनारायण लाठी, प्रहलाद दाड़, राजेन्द्र मूंदड़ा, सतीष परवाल आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर विशेष रूप से समाज के जिलाध्यक्ष कैलाश डागा, जिला महामंत्री प्रकाश मंत्री, पूर्व नगर अध्यक्ष प्रहलाद दाड़ एवं ओमप्रकाश भूतड़ा आदि भी उपस्थित थे।

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गत 9 नवंबर को मारुति कन्वेंशन, रंगमपेट में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन समाज के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर जाखोटिया की अध्यक्षता में किया गया। शुभारंभ समाज के मंत्री रामकिशोर मनियार द्वारा अतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर किया गया। इस शुभ अवसर पर तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, हैदराबाद के अध्यक्ष कैलाश डलिया मुख्य अतिथि एवं तापड़िया डायग्नोस्टिक्स के प्रबंध निदेशक डॉ. राधेश्याम तापड़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जाखोटिया ने सभागृह में शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा अभिनंदन पुरस्कार, प्रतिभा अभिनंदन सम्मान एवं 70वर्ष पार वरिष्ठजन अभिनंदन सम्मान भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में सोना चांदी तंबोला का खेल खेलाया गया।

MAHESHWARI TRADERS
SINCE 1970
माहेश्वरी ट्रेडर्स
गंजपारा, दुर्ग (छ.ग.) 491001
इलेक्ट्रिकल्स, मोटर पंप
होम अप्लायंसेज एवं सेनेटरी फिटिंग्स
93004 08651, 83700 02681, 85, 86
maheshwaritradersdurg@gmail.com

उज्जैन। गत 9 नवम्बर को माहेश्वरी भवन गोला मंडी उज्जैन में माहेश्वरी सभा उज्जैन द्वारा अन्नकूट महोत्सव तथा दीवाली मिलन समारोह आयोजत किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा अन्तर्गत चिकित्सा प्रकोष्ठ का शुभारंभ आर डी गार्डी कालेज के प्राध्यापक डाक्टर सर्वेश माहेश्वरी तथा अदिति माहेश्वरी द्वारा किया गया। अध्यक्षता माहेश्वरी सभा उज्जैन के अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी ने की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के मुख्य अधिकारी चन्द्रेश मंडलोई, उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, सभा के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा, ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र सोडानी, महिला मंडल अध्यक्ष संगीता भूतड़ा, प्रगति महिला मंडल अध्यक्ष पायल भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष अर्पण इनानी, सभा सचिव विरेन्द्र कुमार गट्टानी, ट्रस्ट सचिव अतुल देवपुरा, महिला मंडल सचिव संध्या हेड़ा, प्रगति महिला मंडल सचिव सीमा कांसट, युवा संगठन सचिव दीपक लाठी, पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के प्रतिनिधि अरूण भूतड़ा, सपन लड्ढा, श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के संयुक्त सचिव ओमप्रकाश काबरा, अन्नकूट महोत्सव के मुख्य संयोजक राजेन्द्र सोडानी, संयोजक लोकेंद्र काबरा, संदीप भूतड़ा, राकेश सोडानी के विशेष आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभा अध्यक्ष श्री राठी ने श्री चिकित्सा प्रकोष्ठ की जानकारी देते हुए बताया कि प्रकोष्ठ अन्तर्गत उज्जैन नगर में निवासरत माहेश्वरी बंधुओं के लिए त्रैमासिक निशुल्क चिकित्सा परीक्षण शिविर आयोजित होकर परामर्श दिया जा सकेगा।

हैदराबाद। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल, चप्पल बज़ार द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। भरत जाजू ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल बल्दवा का स्वागत सभी मण्डल के सदस्यों ने किया। तेलंगाना के आंध्रप्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश डालिया ने भी अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभी चलाए जा रहे प्रकल्पों की जानकारी दी। मंडल के अध्यक्ष कैलाश काबरा ने सभी का दीवाली अभिनंदन किया और समाज में घटती जनसंख्या पर चिंतन किया। कार्यक्रम का संचालन अमर जाजू ने किया। कार्यक्रम के अंत मे भोज की व्यवस्था की गई। कैलाश काबरा, भरत जाजू, प्रदीप चाण्डक, श्यामसुन्दर राठी, सुरेश बंग, वेणुगोपाल बंग, श्याम मोदानी, जगदीश काकाणी, आनंद भराडिया, मुरलीधर अट्टल, घनश्याम लोया, राजेन्दर धूत, प्रदीप जाजू, ओमप्रकाश जाजू आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

बड़ावदा। गत 6 नवंबर माहेश्वरी धर्मशाला बडावदा स्थित श्री राम जानकी मंदिर पर मोहनलाल मूंदड़ा की स्मृति में भगवंती मूंदड़ा एवं परिवार द्वारा अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रभु राम जानकी का मनमोहक श्रृंगार किया व मंदिर परिसर को नवरंग फूलों से सजाया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की। मदनलाल मूंदड़ा, गोपाल मूंदड़ा, राजेंद्र मूंदड़ा, दिनेश मूंदड़ा, संजय मूंदड़ा, सुनील मूंदड़ा आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

DWARKA SARDA
(Kothari)
+91-98606 08787
KOTHARI METAL INDUSTRIES
Manufacturer of
▶ Brass Utensils ▶ Copper Utensils
▶ Circles & Sheets
Station Road, Bhandara -441904 Maharashtra
(O) 07184-252087 (F) 07184-252287
kothari.metal@gmail.com

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई के 'शुभोत्सव' दिवाली स्नेह मिलन में मेधावी छात्रों का सम्मान 10 नवंबर को स्थानीय डी जी वैष्णव कॉलेज के सभागार में किया गया। सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डी ए वी ग्रुप ऑफ स्कूल के ऑनरेरी सेक्रेटरी विकास आर्य थे। कार्यक्रम के संयोजक मोहन दमानी ने बताया कि तमिलनाडु, केरल और पांडिचेरी प्रादेशिक स्तर पर कुल 31 मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। इसमें सीबीएसई की दसवीं कक्षा से 12, एसएसएलसी से 1, सीबीएसई की बारहवीं कक्षा से 12, चार्टेड अकाउंट से 4 और डॉक्टर बनने पर 2 छात्रों का सम्मान गया।

वरोरा। वरोरा शहर के माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में गत 6 नवंबर को श्री बालाजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इसमें श्री राम दरबार को गिरिराज धरण भाव से छप्पन भोग मनोरथ अर्पण किया गया। बालक-बालिकाओं द्वारा पूरे मंदिर को मांडना, फूलों और रंगोली से सजाया गया। प्रबुद्ध माहेश्वरी समाज, राजस्थानी समाज, गुजराती समाज एवं सभी श्रद्धालु जनों ने इस आयोजन में पधार कर अपनी सहभागिता दी। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्रीकान्त मूंदड़ा, सचिव अमित लाहोटी, द्वारकादास बजाज, विनोद मनियार, कृष्णाकांत लोया, गोविंद मूंदड़ा, रंगनाथ धुत, हितेश बजाज, गिरधर जाखोटिया, राम लोया आदि ने सभी भक्तजनों का स्वागत किया। तत्पश्चात सभी ने मिलकर प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओमप्रकाश धूत, संजय सारडा, ठाकुरदास चांडक, श्रीराम फोफलिया, शैलेश बाहेती, माहेश्वरी नवयुवक मंडल से योगेश चांडक, अखिलेश मूंदड़ा, सुमित बजाज आदि का सहयोग रहा।

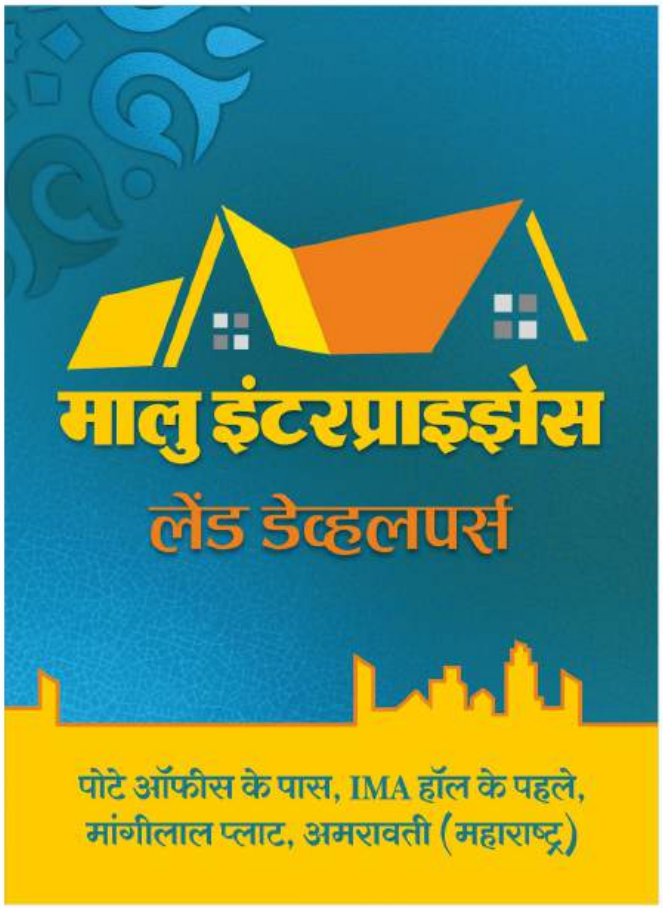

मुम्बई। गत 17 नवम्बर को मनमोहन रास मण्डल, मुम्बई एवं बीकानेर सेवा संघ, मुम्बई ने दीपावली स्नेह सम्मेलन मुम्बई स्थित मुकेश पटेल ऑडिटोरियम में आयोजित कर युवा-प्रतिभा पुरस्कार 2024 प्रदान किये। इस समारोह में गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू' की पोती सुश्री कृति बिन्नाणी - सुपुत्री नेहा सूरज बिन्नाणी को रायन इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता (16 वर्ष से कम वर्ग) में प्रथम स्थान के साथ-साथ डॉ होमी भाभा बालवैज्ञानिक कॉम्प्टीशन के लिये आयोजित साइन्स टैलेंट सर्च कम्पटीशन 2023-24 परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर गोल्ड मैडल व प्रशस्ति पत्र दे सम्मानित किया गया।

बैंगलोर। आर आर नगर माहेश्वरी परिवार का दिवाली स्नेह मिलन समारोह गत 17 नवम्बर को आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में परिवार के नौनिहालों की अद्भूत आंतरिक क्षमता का परिचय मिला। सभी टीम ने बढ़-चढ़ कर अंताक्षरी में भाग लिया। प्रथम विजेता टीम को अरूणा लखोटिया तथा रनर-अप टीम का सम्मान जगदीश प्रसाद बिहानी ने किया। स्नेह मिलन का शुभारंभ हरिकिशन सारडा ने हरिप्रसाद मूंदड़ा, आनंद मालपानी, चंद्र प्रकाश भूतड़ा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। उक्त जानकारी सुरेश लखोटिया ने दी।

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव भक्ति संध्या के साथ गत 10 नवम्बर को सायं 6.00 बजे से माहेश्वरी विद्यालय, तिलक नगर प्रांगण में परम्परागत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समाज अध्यक्ष केदारमल भाला ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव के लिए आलोक झंवर को संयोजक, रविकान्त मोदानी को शेयर होल्डर संयोजक एवं श्याम रतन पटवारी को टिकट संयोजक बनाया गया। समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा ने बताया कि भक्ति संध्या एवं झाँकी सुमनलता, अरूण, निर्मल दरगड़ एवं छप्पन भोग में एस.एस. सोढ़ानी स्वीट्स, मालवीय नगर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर भामाशाह चांदमल राठी को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उमेश सोनी (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), विशिष्ट अतिथि कमल कुमार काबरा (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी), स्वागताध्यक्ष सुरेन्द्र बजाज (प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी) तथा विशेष अतिथि मनोहरलाल सारड़ा (संरक्षक, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर) रहे। अन्नकूट प्रसादी में लगभग 5000 समाज बन्धुओं की उपस्थिति रही। रामकिशन सोनी एवं कल्पना माहेश्वरी ने मंच का संचालन किया।

उज्जैन। श्री माहेश्वरी महिला मंडल, श्री लक्ष्मीनरसिंह मंदिर छोटा सराफा उज्जैन द्वारा मंदिर प्रांगण में भगवान को अन्नकूट परंपरा के अंतर्गत छप्पन भोग का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की अनेक सदस्याओं द्वारा अपने-अपने घरों से विभिन्न प्रकार के भोग बनाकर लाये गए तथा भगवान श्री लक्ष्मीनर्सिंह जी को भोग लगाया गया। मंदिर प्रांगण को सुसज्जित करने हेतु सुंदर रंगोली एवं दीपक जलाए गए। साथ ही भजन कीर्तन के पश्चात मंगल आरती गाई गई एवं प्रसाद ग्रहण तथा वितरण कर उत्साह पूर्वक उत्सव का आनन्द सभी ने लिया। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्ष रेखा लड्ढा, सचिव उषा भट्टड, उपाध्यक्ष किरण अटल, कोषाध्यक्ष पुष्पा कोठारी के साथ अनेक महिलाओं ने अपना योगदान दिया। मंडल की प्रचार मंत्री सुधा बागड़ी द्वारा उक्त जानकारी दी गई।

CSR
00069440

श्री महेश सेवा समिति

रजि.नं.1710/अम.
80 G (5) iii

महेश भवन
बड़नेरा रोड, अमरावती

नेशनल हायवे पर स्थित
महेश भवन

- 37 रूम वातानुकूलित
- 2 हॉल 5000 वर्ग फि.के
- लॉन तथा रेस्टॉरेंट सुविधा

नवनिर्मित प्रकल्प
ज्येष्ठ नागरिकों के उर्वरित सुखमय जीवन के लिये
'सुकून' (जीवन संध्यालय)

- चार मंजिला ईमारत
- वातानुकूलित डबलबेड
- 40 रूम्स
- मंदिर
- डॉक्टर कक्ष
- वाचनालय
- सभागृह

अन्य कार्यरत योजनाएँ

शल्यक्रिया सहायता | वैद्यकीय सहायता | शैक्षणिक सहायता | छात्रवृत्ति | निराधार आर्थिक सहायता

अॅड. आर बी अटल	डॉ. सत्यनारायण कासट	प्रवीण चाण्डक	डॉ. आर बी सिकची	अजय राठी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	सह-सचिव	कोषाध्यक्ष
9422158450		9423462694		

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

लोंस एंजिल्स (यूएसए)। गत 03 नवम्बर को मूलतः भीलवाड़ा निवासी जितेंद्र व दीपाली दरगड़ सचिव माहेश्वरी महासभा नार्थ अमेरिका द्वारा अपने निवास स्थान पोर्टर रेंज (लोंस एंजिल्स) में हर वर्ष की भांति अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें करीब 100 व्यंजनो का छप्पन भोग प्रभु को अर्पित किया गया। करीब 155 व्यक्तियों ने भोग का लाभ लिया। उक्त आयोजन में माहेश्वरी महासभा नार्थ अमेरिका के पदाधिकारी–बसंत राठी, देव माहेश्वरी, जीत माहेश्वरी, श्याम बाहेती तथा राम बाहेती आदि गणमान्यजनों ने भी शिरकत की।

नागपुर। माहेश्वरी संगठन महल मध्य नागपुर व ज्योति महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दिवाली मिलन व अन्नकूट महोत्सव का आयोजन स्थानीय डी डी नगर विद्यालय प्रांगण मे किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रमोद मूंदड़ा एवं डॉ. रश्मि मूंदड़ा उपस्थित रहे। संस्थापक अध्यक्ष खुशालचंद भूतड़ा एवं शोभा सुरजन की प्रमुख उपस्थिति में अध्यक्ष विजय कुमार लड्ढा व अर्चना बिंझानी ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। कार्यकारिणी अध्यक्ष मधुसूदन बिंझानी ने माहेश्वरी संगठन महल की ओर से अपने मनोगत में संगठन के कार्यों की जानकारी दी। ज्योति महिला मंडल के अंतर्गत नवज्योति युवती मंच की सदस्य पूनम बिंझानी ने युवा पीढ़ी से समाज से जुड़ने एवं सक्रिय रहने के लिए अनुरोध किया। कार्यक्रम में मंडल के लगभग 35 कलाकारों द्वारा संगीतमय नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। नृत्य नाटिका की संकल्पना और लेखन किरण कल्पना क्रिएशन की किरण मूंदड़ा और कल्पना मोहता द्वारा किया गया। अन्नकूट उत्सव के लिए भगवान बालकृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई एवं छप्पन भोग लगाया। आभार प्रदर्शन सचिव स्वाति सावल ने किया। मंच संचालन कल्पना मोहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संयोजक मंडल मित्तल राठी, मधु बंग एवं रजनी धुत द्वारा आयोजित तंबोला हाऊजी में उपस्थितजनों ने भरपूर आनंद लिया। सचिव ओम भैय्या, कीर्ति भैय्या, के साथ ही दोनों मंडलों के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

स्थापित : 1969 ॥ जय महेश ॥ ॥ जय श्री राम ॥ पंजीबद्ध संस्था

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन

प्रधान कार्यालय :- **महेश मार्ग, पुष्कर - 305022 (राजस्थान)**

फोन : 0145-2772038, 2772546 मो. 8769646438

Email : abmsevasadan@gmail.com Website : www.maheshwarisevasadan.com / www.abmssp.com

दीपावली के पावन पर्व पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएं

महेश मार्ग, रमणरेती रोड,
वृन्दावन-281124 (उत्तरप्रदेश)
फोन : 0565-2540421, मो. 6398836253

बस स्टैण्ड के पास,
बद्रीनाथ-246422 (उत्तराखण्ड)
मो. 9897125873

केलवाड़ा रोड़, चारभुजा-गढ़बोर-313333
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02954-248200, मो. 9116361993

परिक्रमा मार्ग, मुखारविन्द के पास, जतीपुरा-281502
वाया-गोवर्धन,जिला-मथुरा (उ.प्र.)

सेवा सदन के सभी भवनों में शुद्ध सात्विक भोजन तथा वातानुकूलित, डीलक्स एंव कूलर-युक्त कमरें, डोरमैट्री एवं सभागार की सुविधाएं उपलब्ध है।

दूधाधारी मंदिर के सामने, ऋषिकेश रोड,
हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
फोन : 01334-261636, 261141 मो. 9897125873

नाथूवास रोड, नाथद्वारा-313301
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02953-232301, 231379 , मो. 7297933441

पोकरण रोड़, रामदेवरा-345023
जिला-जैसलमेर (राजस्थान)

प्लॉट नं. 7-8, रामसुख नगर, क्यूरियो क्राफ्ट रोड़ नं. 11
के पास, एम्स रोड़, बासनी, जोधपुर (राज.)
फोन : 0291-2744688, 2744588

-: निर्माणाधीन :-

सर्वे नं. 48,
मखमलाबाद परिसर, रांका स्क्वेयर के आगे,
पंचवटी, नाशिक (महाराष्ट्र)

200 फीट बाईपास,
जगद्गुरु कृपालुजी महाराज के आश्रम के सामने,
जगन्नाथपुरी (उड़ीसा)

दशरथ कुण्ड के पास, पुराना परिक्रमा मार्ग, अयोध्या (उ.प्र.)

-: शुभेच्छु :-

रामकुमार भूतड़ा	कैलाश सोनी	रमेशचन्द्र छापरवाल	मनोहरलाल पुंगलिया
अध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष

उपाध्यक्ष : प्रहलाद शाह राठी, अनिलकुमार बांगड़, जयकिशन बल्दुवा, शंकरलाल बाहेती, विजयशंकर मूंदड़ा

मंत्री : सोहनलाल मून्दड़ा, मुरलीधर झंवर, श्रीभगवान बंग, संजयकुमार जैथलिया, किशनगोपाल बंग

भागीरथ भूतड़ा	मधुसुदन मालू
प्रचार मंत्री	कार्यालय मंत्री

एवं समस्त कार्यकारिणी समिति सदस्य, मार्गदर्शकगण तथा विशेष आमंत्रित सदस्यगण

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

''मैं'' शब्द अपने आप तक सीमित है, जिसका दायरा भी सीमित है, जबकि ''हम'' वृहद अर्थ व दायरे वाला शब्द है। अतः आगे बढ़ने के लिये हमें मैं से हम बनाना होगा। इसी विषय पर प्रकाश डाल रहे हैं, ख्यात उद्यमी व समाजसेवी त्रिभुवन काबरा (भाईजी)।

मैं को बनाऐं हम

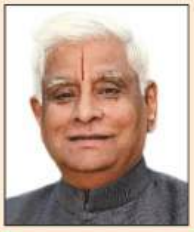

त्रिभुवन काबरा
वडोदरा

हमारे जीवन में 'मैं' से 'हम' तक की यात्रा केवल एक सोच नहीं, बल्कि यह एक जीवन दृष्टिकोण और नेतृत्व का आधार है। यह यात्रा किसी भी व्यक्ति, संस्था, या संगठन के लिए विकास और सफलता का मूलभूत स्तंभ बन सकती है। 'हम' की ताकत असीमित होती है, जो हमें व्यक्तिगत सीमाओं से बाहर निकालकर सामूहिकता की शक्ति से जोड़ती है।

'मैं' और 'हम' का फर्क

'मैं' एक सीमित सोच का प्रतीक है, जहां व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत सफलता और सीमित दृष्टिकोण पर केंद्रित रहता है। यह सोच तब तक सही है जब तक उसका उद्देश्य आत्मनिर्भरता बनाना हो। लेकिन एक समय ऐसा आता है जब 'मैं' की सोच हमें आगे बढ़ने से रोक देती है। इसके विपरीत, 'हम' की सोच सामूहिकता, सहयोग, और असीमित संभावनाओं का प्रतीक है। 'हम' से व्यक्ति अपनी सीमाओं को तोड़कर समाज, देश, और बड़े उद्देश्यों के लिए योगदान दे सकता है।

गुरु पूजा और 'हम' का महत्व

गुरु पूजा में जो माला 108 मनके की होती है, वह भी 'हम' की सोच को दर्शाती है। हर मनका एक अलग इकाई है, लेकिन जब सभी मिलते हैं, तो माला बनती है। इसी प्रकार, जब हम व्यक्तिगत सोच से आगे बढ़कर सामूहिक प्रयास करते हैं, तो उसका परिणाम असीमित और शक्तिशाली होता है।

व्यवसाय और नेतृत्व में 'हम'

व्यवसाय में 'हम' की सोच का विशेष महत्व है। संस्थान का विकास तब होता है, जब प्रत्येक कर्मचारी यह महसूस करे कि वह कंपनी का मालिक है। नेतृत्व का यह दायित्व है कि वह हर कर्मचारी को सही दिशा और प्रेरणा दे। उदाहरण के लिए, रामरत्ना समूह की यह नीति कि 'दो पांव से आओ और चार कांधों पर जाओ,' न केवल कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित भी करती है। इस समूह में कई उदाहरण हैं जहां एक साधारण कर्मचारी, जैसे क्लर्क या एकाउंटेंट, मेहनत और लगन के बल पर कंपनी का डायरेक्टर बने। यह दर्शाता है कि जब संगठन अपने कर्मचारियों को 'हम' की सोच से जोड़ता है, तो वह न केवल व्यवसाय को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है, बल्कि कर्मचारियों को आत्मसम्मान और गर्व भी देता है।

संघर्ष और सामूहिकता का परिणाम

'मैं' की सोच में व्यक्ति केवल अपनी परेशानियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि 'हम' की सोच में वह दूसरों की तकलीफों को समझकर समाधान ढूंढता है। यह दृष्टिकोण टीमवर्क को बढ़ावा देता है। रामरत्ना समूह की एक और प्रेरणादायक विशेषता यह है कि यहां कर्मचारियों का पलायन न्यूनतम है। यहां मान और सम्मान का ऐसा वातावरण है, जो कर्मचारियों को लंबे समय तक संस्थान से जोड़कर रखता है।

सीख और दिशा

'मैं' से 'हम' की यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत, बल्कि सामूहिक विकास का मार्ग है। इसके लिए आवश्यक है:

- **सकारात्मक दृष्टिकोण:** हर व्यक्ति को यह महसूस कराना कि वह संगठन का अभिन्न हिस्सा है।
- **सही नेतृत्व:** नेतृत्व का यह दायित्व है कि वह केवल आदेश देने वाला न बने, बल्कि टीम के साथ मिलकर काम करे।
- **मूल्य आधारित नीतिः** संगठन में ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जो कर्मचारियों को मान-सम्मान और आत्मनिर्भरता दें।
- **लक्ष्य और दृष्टिकोण:** हर व्यक्ति को यह सिखाना कि उसका योगदान समाज, देश और विश्व के लिए कितना महत्वपूर्ण है?

व्यापक व दीर्घकालिक परिणाम

'मैं' से 'हम' की यात्रा तकलीफ भरी जरूर हो सकती है, लेकिन इसका परिणाम हमेशा व्यापक और दीर्घकालिक होता है। यह सोच हमें सीमाओं से बाहर निकलने, बड़े लक्ष्यों को हासिल करने, और समाज व देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का मौका देती है। इस दृष्टिकोण को अपनाकर, हम न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि संगठन और समाज को भी प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं।

घुटनों का दर्द एक ऐसी विकट समस्या है, जिसके कारण प्रभावित व्यक्ति का सामान्य तौर पर घूमना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर इसे वृद्धों की समस्या माना जाता था लेकिन वर्तमान दौर में यह 30 वर्ष की आयु के बाद कब प्रारम्भ हो जाऐ कहा ही नहीं जा सकता।

वर्तमान दौर की ''दर्द भरी'' परेशानी

घुटनों का दर्द

कैलाश लड्ढा
जोधपुर

घुटनों में दर्द होना एक सामान्य परेशानी है, जो किसी भी उम्र के लोगों को हो सकती है। कई बार घुटनों में दर्द किसी चोट लगने के कारण भी होने लगता है, जैसे लिगामेंट का टूटना या कार्टिलेज का फटना, इनके अलावा घुटनों में दर्द अन्य कई रोगों के कारण भी होता है, जैसे गठिया (Arthritis), गाउट (Gout) और संक्रमण आदि। इसके लिये चिकित्सकीय परामर्श भी अनिवार्य है फिर भी इसका समाधान कुछ सामान्य उपचार से सम्भव है।

इन चीजों से करें परहेज

सामान्यतः इस रोग से पीड़त रोगी को कभी भी किसी प्रकार की खटाई, अचार, छाछ, दही, टमाटर तथा पेट में वायु बनाने वाले पदार्थों को नहीं खाना चाहिए। इस रोग से पीड़ित रोगी को दालों के सेवन से भी बचना चाहिए। मैदे व बेसन से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। तली-भुनी चीजों तथा ठंडे पदार्थों जैसे- कोल्डड्रिंक, आइसक्रीम, बर्फ का पानी आदि का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

ये हैं आसान उपाय

▸▸ **लहसुन :** इस रोग को ठीक करने के लिए प्रतिदिन 4 से 5 लहसुन की कलियां पानी के साथ निगलने से घुटने का दर्द कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। अगर आपके घुटनों में दर्द की समस्या रहती है तो इसके लिए नियमित रूप से 1 गिलास दूध में 3-4 लहसून की कलियां डालकर उबाल कर पिए। इसे पीने से दर्द में राहत मिलती है।

▸▸ **ऑक :** घुटने के दर्द को ठीक करने के लिए सबसे पहले दर्द वाले स्थान पर तेल लगा लें। फिर इसके बाद ऑक के पत्तों को गर्म करके उस स्थान पर रखें और इसके ऊपर से रुई रखकर लाल कपड़े की पट्टी बांध लें। इससे कुछ ही दिनों में घुटनों में दर्द का रोग ठीक हो जाता है।

▸▸ **सोंठ :** घुटने के दर्द को ठीक करने के लिए 5 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम काला नमक तथा 100 ग्राम अजवाइन को एक सूखी कड़ाही में डालकर भूनें और फिर इसे गर्म-गर्म ही एक रूमाल में बांध लें। इसके बाद इससें घुटने पर सिंकाई करें। इससे कुछ ही समय में घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **निर्गुण्डी व मैथी :** निर्गुण्डी के पत्तों का 10 से 40 मि.ली. रस लेने से अथवा सेंकी हुई मेथी का कपड़छन चूर्ण तीन ग्राम, सुबह-शाम पानी के साथ लेने से वात रोग में लाभ होता है। यह मेथीवाला प्रयोग घुटने के वातरोग में भी लाभदायक है। घुटने के दर्द को ठीक करने के लिए निर्गुण्डी के ताजे 7-8 पत्तों को कुचलकर मिट्टी के घड़े में डालकर ढक्कन लगाकर गर्म कर लें। इसके कुछ देर बाद मिट्टी के घड़े को आग पर से उतार लें और पत्ते को हल्का ठंडा करके घुटने पर उस जगह लगायें, जिस जगह पर दर्द हो रहा हो। इसके बाद ऊपर से कपड़े की पट्टी बांधें और इस पट्टी को दिन में दो बार बदलें। इस प्रकार से कुछ दिनों तक उपचार करने से घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **नीम :** घुटने के दर्द का प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार करने के लिए लगभग दो लीटर पानी में थोड़ी-सी नीम की पत्तियां, मेथीदाना, थोड़ी सी अजवाइन और आधा चम्मच नमक डालकर उबाल लें और जब यह गर्म हो जाए तो इसको हल्का सा ठंडा करके इस पानी में कपड़े के दो छोटे टुकड़े डाल दें और फिर इस कपड़े के टुकड़े को निकालकर, इससे घुटने पर सिंकाई करे।

▸▸ **अरण्डी :** घुटने के दर्द को ठीक करने के लिए थोड़े से अरण्डी के पत्तों को पीस लें। फिर थोड़ा से कपूर और थोड़े से सरसों के तेल को इसके साथ मिलाकर कर घुटने के ऊपर लेप करें और फिर इसके ऊपर से कपड़े की पट्टी बांध लें। इसके बाद इसके ऊपर से गर्म सिंकाई करें जिसके फलस्वरूप घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **अखरोट :** सुबह के समय में खाली पेट 4 से 5 अखरोट की गिरियां अच्छी तरह से चबाकर खाने से कुछ ही दिनों में घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **नारियल :** इस रोग को ठीक करने के लिए प्रतिदिन नारियल की गिरी का एक टुकड़ा खाना चाहिए तथा यदि ताजा नारियल न मिले तो सूखे नारियल की गिरी खानी चाहिए।

▸▸ **खजूर :** रात को सोते समय 100 ग्राम खजूर को एक गिलास पानी में भिगोने के लिए रख दें। सुबह के समय जब उठे तो इसे चबाकर खा जाएं। प्रतिदिन कुछ दिनों तक ऐसा करने से घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **आंवला :** 20 ग्राम सूखे आंवले का चूर्ण, 10 ग्राम सोंठ, 10 ग्राम अजवाइन, 5 ग्राम काले नमक को एक साथ लेकर पीस लें। इस चूर्ण को रात को सोते समय आधा चम्मच सेवन करें। इससे यह रोग कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है।

▸▸ **हरड़ :** 100 ग्राम छोटी हरड़ को कूट-पीसकर छान लें। रात को सोते समय इसके 5 ग्राम चूर्ण को दूध या गुनगुने पानी के साथ लें। इसका सेवन कुछ दिनों तक लगातार करने से घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

▸▸ **सूर्य किरण :** घुटने के दर्द से पीड़ित रोगी को सूर्य की किरणों में बैठकर घुटने की मालिश करनी चाहिए जिसके फलस्वरूप घुटने का दर्द ठीक हो जाता है।

योग जो भागऐ रोग

▸▸ घुटने का दर्द ठीक करने के लिए सीधे कमर के बल लेटें, अक्सर घुटनों को मोडते हुए साइकल की तरह चलाएँ।

▸▸ घुटनों को बिना मोड़ें पाँव ऊपर नीचे 20 बार करें।

▸▸ घुटनों को मोड़ते हुए वज्रासन करें व नीचे गरम तकिया रखें। यह आसन 5 मिनिट तक करें।

▸▸ पेट के बाल लेटकर पैरों को मोड़ें ओर दोनो हाथों से एडियो को पकड़ लें।

माहेश्वरी समाज हर क्षेत्र में अपनी सफलता का ध्वज कैसे फहरा रहा है? इसी का एक उदाहरण वड़ोदरा से सामने आया है। यहाँ के समाज की बेटी नियति माहेश्वरी ने शास्त्रीय नृत्य अंतर्गत भरत नाट्यम में विशारद की उपाधि प्राप्त कर स्थानीय समाज के लिये अछूते इस क्षेत्र में भी अपना लोहा मनवाया है।

महेश लड्ढा, वड़ोदरा

शास्त्रीय नृत्य की विशारद
नियति माहेश्वरी

गत 29 सितम्बर का दिवस वडोदरा माहेश्वरी समाज के लिये ऐतिहासिक दिवस से कम नहीं रहा। कारण यह था कि इस दिन समाज सदस्य मनीष व सिम्पल मणियार की सुपुत्री नियति ने शास्त्रीय नृत्य के अंतर्गत भरत नाट्यम में विशारद की उपाधि प्राप्त की। सम्भवतः स्थानीय माहेश्वरी समाज से शास्त्रीय नृत्य में यह उपाधि प्राप्त करने वाली वे पहली नृत्यांगना हैं।

सभी ने उनके नृत्य को सराहा

नियति द्वारा गत 29 सितम्बर को गुरु रमा श्रीकांत के मार्गदर्शन में सर सयाजीराव नगर गृह, अकोढा बड़ौदा में भरत नाट्यम नृत्य के आरेंगेत्रल कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई थी। इस कार्यक्रम में नियति द्वारा अत्यंत सुंदर व भावविभोर कर देने वाली विभिन्न प्रस्तुतियां दी गईं, इन्हें जिसे देखकर समस्त अतिथि भावविभोर हो गये व पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। इस कार्यक्रम के पश्चात गुरु रमा श्रीकांत द्वारा नियति को भरत नाट्यम में विशारद की पदवी प्रदान की गई। बड़ौदा माहेश्वरी समाज को गर्व है कि यह प्रथम बालिका है, जिसने शास्त्रीय नृत्य भरत नाट्यम में मात्र 18 वर्ष की आयु में विशारद की पदवी हासिल की है।

कराटे में भी ब्लेक बेल्ट

नियति सिर्फ शास्त्रीय नृत्य तक सीमित नहीं है। उन्होंने भरत नाट्यम के साथ कराटे में भी ब्लेक बेल्ट की उपाधि प्राप्त की है। इतना ही नहीं राष्ट्र स्तर की स्पर्धा में भी नियति ने हिस्सा लिया है। नियति स्केटिंग में भी राज्य स्तर की स्पर्धा में हिस्सा ले चुकी है। नियति की इस कामयाबी में स्वयं की मेहनत, समर्पण एवं माता-पिता व परिवार का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

With Best Compliments From...

Ashok Somany
EX-UP-SABHAPATI
Akhil Bharatvarshiya Maheshwari Mahasabha

Aakash Somany

ASHOK SOMANY

SOMANY IMPEX
Stone that stnns

SOMANY NATURAL STONES (I) PVT. LTD.

All kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-123401 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email: somanynaturalstones@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of all kind of natural Stone & Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry)
Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob.: 9812028488, 9215689102
Email: accounts@somanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

LAVISH SURFACES

Manufacturer & Exporter of SPC Tiles

Plot No-SP3-167, Ghiloth Industrial Area, Distt-Alwar, Rajasthan
Mobile: 9812028488
Email: aakash@lavishsurfaces.com

आपणी बोली मारवाड़ी बोली में रोचक आलेखों की कृति

श्रीराम दवे

(मारवाड़ी बोली पर केन्द्रित पुस्तक)

ऋषि-मुनि प्रकाशन, उज्जैन द्वारा प्रकाशित **'आपणी बोली'** शीर्षक कृति वस्तुतः उज्जैन म.प्र. से प्रकाशित मासिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स के लोकप्रिय स्तम्भ 'आपणी बोली' की लेखिका स्वाति जैसलमेरिया के नियमित और चुनिंदा आलेखों का संग्रह है। संग्रह का प्रत्येक आलेख सर्वथा नवीन और समसामयिक विषयों पर केंद्रित होकर पाठक के मन मस्तिष्क को न केवल समसामयिकता से जोड़ता है बल्कि उसे चिंतन - मनन के लिए प्रेरित भी करता है। मीठी मारवाड़ी बोली जिसे स्वातिजी ने 'आपणी बोली' की संज्ञा देकर अपनी भाषा, बोली और आंचलिकता के प्रति जिस आत्मीयता और समर्पण की सृष्टि की है वह सर्वथा प्रशंसनीय और प्रेरक है।

कृति में संकलित आलेखों के शीर्षक जितने नवीन और पाठक को पढ़ने के लिए प्रेरित करने वाले हैं उससे कहीं अधिक इन आलखों का कलवर हैं। जिनमें कभी किस्से-कहानी की शक्ल में तो कभी नीति और बोधकथा की दृष्टि तो कभी समाज को सतर्क कर देने वाली चेतावनी तो कभी सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा अर्थात् अतीत से प्रेरित और वर्तमान को दृष्टिगत रखते हुए भविष्यत् की राह बुहारने का उपक्रम अनुभवी लेखिका स्वाति जैसलमेरिया जी ने इन आलेखों में किया है।

सहज सरल और बोधगम्य मारवाडी की एक बानगी उनके आलेख 'पुराणो दर्द और प्रेम' में देखी जा सकती है-

"खम्मा घणी हुकुम आपने बताऊँ पुराणो प्रेम अने पुराणो दर्द दोंनो में कई खास फर्क नहीं है, जण आदमी ज्यादा काम कर लेवे तो पुराणों दर्द आपरो खेल बतावे और इंसान फुर्सत में बेठो रेव्हे तो पुरानो प्रेम परेशान करे।"

ठीक इसी तरह समकालीन राजनीति पर उनकी पंक्तियाँ आलेख पंचरिष्ट में देखें- "एक जमाने में कांग्रेसी इंदिरा' नाम री नाव में बैठ ने तैरणी पार कर लेता था और आज मोदी रे नाम सूं मूर्ख भी सत्ता में मजा कर रिया है। यूँ लागे मोदी रे अलावा कोई नेता एडो नहीं की जीनो नाम अबे मुंडे माथे हो।"

रोचक शैली में आलेखों की यह कृति पठनीय और मननीय है।

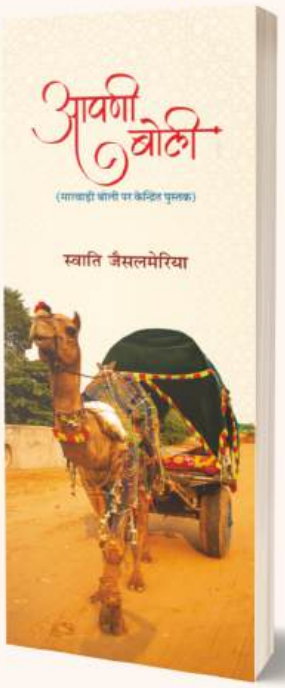

मुख पृष्ठ

कृति - **आपणी बोली**
लेखिका- **स्वाति जैसलमेरिया**
प्रकाशक - **ऋषि-मुनि प्रकाशन**, उज्जैन
प्रथम संस्करण का 2024 मूल्य 300/-

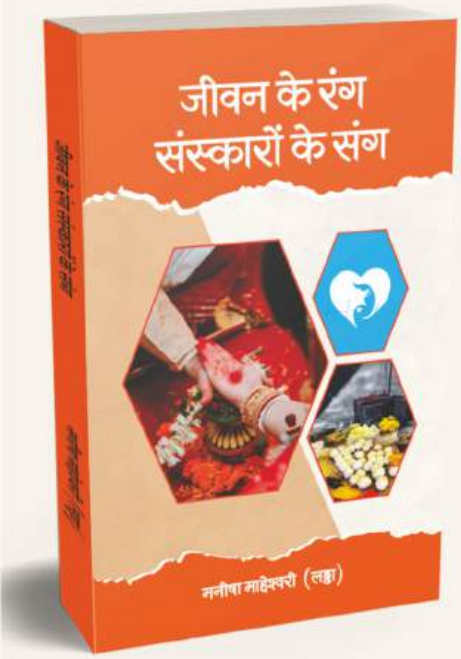

जीवन में संस्कारों की अहमियत बताती कृति

यों तो संस्कार ही आगे जाकर संस्कृति का निर्माण करते हैं किंतु जब संस्कार जीवन के साथ घुल-मिल जाते हैं तब एक विशेष प्रकार का आदर्श वातावरण निर्मित होने लगता है। हमारे भारतीय जन जीवन में विभिन्न प्रकार के संस्कारों का प्रारम्भ से ही महत्व रहा है। अर्थात् जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त मनुष्य का जीवन क्रमिक संस्कारों से सम्पृक्त होकर एक आदर्श स्थिति निर्मित करता रहा है।

वैसे हमारे ऋषि मुनियों और आदर्श पुरूषों ने मनुष्य जीवन के लिए 16 संस्कार नियत किये हैं किंतु प्रस्तुत पुस्तक "जीवन के रंग संस्कारों के संग" में लेखिका मनीषा माहेश्वरी (लड्ढा) ने जन्म और मृत्यु से सम्बद्ध विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ-साथ गृह प्रवेश और विवाह प्रयोजन हेतु प्रयुक्त होने वाले जरूरी कार्यों और संस्कारों को प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के साथ सरल सहज भाषा में और अवसर विशेष पर गाये जाने वाले गीतों/भजनों के साथ प्रस्तुत कर न केवल समाज की नयी पीढ़ी का मार्गदर्शन किया है बल्कि प्रोढ़ होकर भी संस्कारों को भूलती जा रही पीढ़ी को भी ऐसे अवसरों पर संस्कारों का पाठ पढ़ाने की विनम्र चेष्टा की है।

ऋषि-मुनि प्रकाशन, उज्जैन द्वारा प्रकाशित तथा ससुराल तथा पीहर के माता-पिताओं को समर्पित यह कृति यह उम्मीद बंधाती है कि मनीषा जी अपना लेखन-चिन्तन जारी रखेगी और शीघ्र ही नयी कृतियों से पाठक समाज को लाभान्वित करती रहेंगी। पुस्तक पठनीय और संग्रहणीय है।

मुख पृष्ठ

जीवन के रंग संस्कारों के संग
लेखिकाः **मनीषा माहेश्वरी लड्ढा**
प्रकाशनः **ऋषि मुनि प्रकाशन**, उज्जैन
संकलनः प्रथम 2024 मूल्य 300/-

मोटापा नियंत्रित करने में योग और आहार की भूमिका

फिजियोलॉजिकल इम्पेक्ट ऑफ योगा एण्ड डाईट इन ओबेसिटी

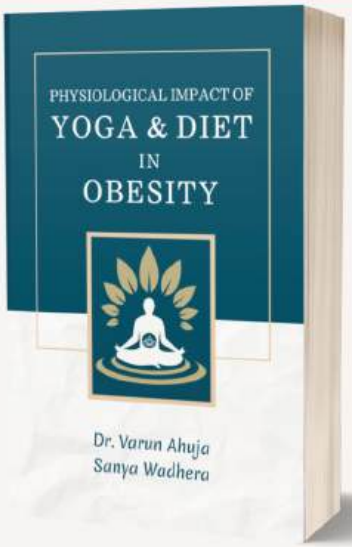

सारी दुनिया को विदेशों विशेषकर पश्चिमी देशों ने फास्ट फूड से परिचित कराकर लोगों में मोटापा बढ़ने और बिमारियों में लिप्त रहने की राह दिखायी है और यही कारण है कि भारत में भी अब ये विकृतियाँ आम होती जा रही हैं। बढ़ते मोटापे को नियमित योग और नियत आहार के जरिए किस प्रकार नियंत्रित किया जा सके और बढ़ते मोटापे के दुष्परिणामों से लोगों को निजात दिलायी जा सके यही सब ऋषि-मुनि प्रकाशन, उज्जैन द्वारा प्रकाशित डॉ. वरुण आहूजा और सान्या वढ़ेरा की सद्यः प्रकाशित पुस्तक ''फिजियोलॉजिकल इम्पैक्ट ऑफ योगा एण्ड डाईट इन ओबेसिटी'' का वर्ण्य विषय है।

परिप्रेक्ष्य में डॉ. वरूण आहूजा जहां योग के अध्यापक और विशेषज्ञ हैं वहीं सान्या वढ़ेरा आहार विशेषज्ञ होकर मोटापा नियंत्रण के प्रति समाज में जागरुकता का संदेश प्रसारित करती रही हैं।

यह सर्वविदित है कि योग दुनिया को भारत की देन है जिसको व्यवहार में लाकर मनुष्य अपनी दसों इंद्रियों (5 ज्ञानेंद्रियां और 5 कमेन्द्रियों) को स्वस्थ बना सकता है। जाहिर है योग में जहाँ प्राणायाम और विभिन्न आसनों का नियमित अभ्यास किया जाता है वहीं सुनिश्चित आहार प्रणाली अपनाकर शरीर को मोटापा रहित स्वस्थ और आकर्षक बनाया जा सकता है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से सम्बद्ध श्री जैन श्वेताम्बर प्रोफेशनल अकादमी इंदौर की डॉ. निशा जोशी, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान योग विश्वविद्यालय बैंगलुरू के डॉ. मंगेश पांडे तथा डायनिमिक योग स्टूडियो उदयपुर की डॉ. गुनीत मोंगा भार्गव जैसे विद्वान विशेषज्ञों द्वारा अन्यत्र आत्मीयता और प्रसन्नता के साथ प्रस्तावित यह कृति मोटापे को नियंत्रित करन के साथ-साथ पाठकों और जन-समाज को चिरकाल तक स्वस्थ रखने की दिशा में मार्गदर्शन करेगी। कृति का स्वागत करते हुए यही कहा जा सकता है कि पुस्तक प्रेरक और संग्रहणीय है।

श्रीराम दवे

फिजियोलॉजिकल इम्पेक्ट ऑफ योगा एण्ड डाईट इन ओबेसिटी

Dr. Varun Ahuja Sanya Wadhera

लेखकद्वय - **डॉ. वरूण आहूजा** एण्ड **सान्या वढ़ेरा**
प्रकाशक - **ऋषि-मुनि प्रकाशन**, उज्जैन
मूल्य - 250/-

नए लेखकों का संबल बनेगा

ऋषिमुनि प्रकाशन

आप अच्छे लेखक हैं तो आपको एक अच्छे प्रकाशक की भी आवश्यकता है, जो आपके बजट में आपकी अनमोल कृति का प्रकाशन कर पाठकों तक पहुँचा सके। ऐसे सभी लेखकों के लिए देश का प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह ''ऋषिमुनि प्रकाशन'' समाधान बनकर आया है।

''ऋषिमुनि प्रकाशन'' विगत 30 वर्षों से अपने सुरूचि पूर्ण, सुंदर एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन के लिए प्रतिबद्ध व प्रसिद्ध है। निरंतर आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रकाशन समूह ने विभिन्न विषयों पर अब तक 300 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर पाठकों के बीच अपनी पेठ बनायी है।

अब समूह ने अपनी नई योजना के तहत अत्यल्प लागत शुल्क लेकर कई सेवाओं के साथ जैसे टाईपिंग, प्रुफ-रीडिंग, डिज़ाइनिंग, ISBN No. आदि के साथ नये लेखकों की रचनाओं के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है। आप आपनी कविताओं, कथाओं, व्यंग्य, आलेख व धर्म से संबंधित रचनाओं के पुस्तकाकार रूप में प्रकाशन के प्रति उत्सुक हैं तो कृपया संपर्क कर अपना मनोरथ सिद्ध करें।

सम्पर्क– 90, विद्या नगर, सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) मोबाईल : 094250-91161
www.rishimuniprakashan.com

ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कोई भी पुस्तक आप घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं।
श्री माहेश्वरी टाईम्स के पाठकों को इनके मूल्य पर विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

कौन होंगे ?

माहेश्वरी ऑफ द ईयर - 2024

वर्ष 2024 अपने समापन की ओर है और नववर्ष-2025 की पावन बेला में फिर होगा श्री विशिष्ट विभूतियों का विशिष्ट सम्मान। इसके अंतर्गत अपनी परम्परानुसार ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' इस बार भी समाज की विशिष्ट विभूतियों को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2024" से सम्मानित करने जा रही है। कौन होंगे इसके हकदार इसका फैसला करेंगे आप जैसे प्रबुद्ध पाठक।

इस बार भी कई क्षेत्रों के लिये सम्मान

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन के साथ ही अवॉर्ड "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" की गरिमामयी शुरुआत भी हुई थी। लगभग 19 वर्ष की सफलता की इस यात्रा में श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की कई शीर्षस्थ हस्तियों को इस सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष एक ही विभूति को सम्मानित किया जाता था। इससे कई सेवा क्षेत्र की विभूतियाँ सम्मानित होने से वंचित रह जाती थीं। अतः प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार गत 7 वर्ष से इसके स्वरूप को और भी वृहद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रूप से माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान दिया जाने लगा है। इसी श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष विभूतियों की सम्मानित किया जाऐगा।

कौन हैं इसके हकदार

अपनी परम्परानुसार श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की उन विभूतियों को नववर्ष में माहेश्वरी ऑफ ईयर 2024 से सम्मानित करेंगी, जिन्होंने किसी भी स्तर पर अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान वास्तव में ऐसी विभूतियों की सेवाओं का सम्मान तो है ही, साथ ही इस अवसर पर "श्री माहेश्वरी टाईम्स" में प्रकाशित होने वाली उनकी सफलता की कहानी समाज की नई पीढ़ी को कुछ नया और कुछ हटकर करने की प्रेरणा भी देगी, जिस पर समाज व राष्ट्र गर्व कर सकें।

फैसला आपके हाथ

"श्री माहेश्वरी टाईम्स" अपनी परम्परानुसार पाठकों से इस सम्मान के लिये उनका मत आमंत्रित करती है। यदि आप समाज की किसी भी ऐसी हस्ती को जानते हैं जिन्होंने किसी भी कार्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है तो उनके नाम का प्रस्ताव संक्षिप्त जानकारी व संपर्क नम्बर के साथ प्रेषित करें। अपना यह प्रस्ताव आप ईमेल द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं। चयन समिति ऐसी विभूतियों में से माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2024 अवॉर्ड के लिये प्रत्याशियों का चयन करेगी। ईमेल में **माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2024** लिखना न भूलें।

संपर्क- **Email : smt4news@gmail.com**

With Best Compliments from...

Sri Arun Laddha
Director

JRL
GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

Sri Jodh Raj Laddha
Chairman

J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.

The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

Corporate Office

5th Floor , Nehru Center, Worli , Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

Registered Office

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

BRANCH OFFICE : NEW DELHI

info@jrladdha.in • www.jrladdha.in

सूखी खांसी या ड्राई कफ होना बहुत आम समस्या है। ज्यादातर लोग मौसम में परिवर्तन के दौरान सूखी खांसी की समस्या का सामना करते हैं। यह समस्या कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को ज्यादा परेशान करती है। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें से एक सामान्य कारण है तापमान में बदलाव या संक्रमण होना। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब मौसम बदलता है तो हमारा शरीर परिवर्तनों के प्रति अनुकूल होने में समय लगता है। इसी स्थिति में योग की सूखी खांसी मुद्रा लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

सर्दी-जुकाम से राहत देती

सूखी खांसी मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

सर्दी-जुकाम, खांसी, अस्थमा आदि के लिए हम पीछे अंको में कई मुद्राओं का वर्णन कर चुके हैं- जैसे सूर्य मुद्रा, कुबेर मुद्रा, श्वसनी मुद्रा। परन्तु ये सभी मुद्रायें सूखी खांसी को दूर करने में पूर्णतः सक्षम नहीं हैं। भारत में सर्दी के मौसम में नवम्बर से फरवरी तक सुबह-शाम व रात को बहुत ठण्ड होती है। परन्तु दिन में जब सूर्य निकलता है तो ज्यादा ठण्ड नहीं होती, खूब तेज धूप निकलती है। इस मौसम में नमी बहुत ही कम होती है। वायुमण्डल में असंख्य कीटाणु और विषैले तत्व जमा हो जाते हैं। श्वास रोगियों के लिए यह स्थिति अत्यन्त हानिकारक होती है, विशेषतः गले और आवाज के लिए। जरा सी भी सर्दी से गले और ध्वनि मार्ग में सूजन-शोथ हो जाता है। हमारे श्वसन तन्त्र को गर्म नमी युक्त वायु की आवश्यकता होती है। परन्तु इस वातावरण में बिल्कुल उल्टा ही होता है। इसीलिए इस मौसम में सूखी खांसी हो जाती है, जो जल्दी ठीक नहीं होती है। इस स्थिति से निपटने के लिए यह नई मुद्रा कारगर है।

▸▸ कैसे करें

अनामिका उंगली को मोड़कर अंगूठे की जड़ में लगाएं अर्थात् सूर्य मुद्रा बनाएं। अब इन्द्र मुद्रा और आकाश मुद्रा बना लें अर्थात् मध्यमा, कनिष्ठा और अंगूठे के अग्रभागों को मिला लें। इसको दोनों हाथों से करें।

▸▸ क्या है प्रभाव

सूर्य मुद्रा और इन्द्र मुद्रा मिलकर श्वसन तन्त्र में गर्मी व नमी को उत्पन्न करती हैं। जल और अग्नि मिलकर भाप उत्पन्न करते हैं, जिससे गले को आराम मिलता है। जब गले में शोथ (सूजन) हो जाती है तो गले में रिक्त स्थान (आकाश) तत्व की कमी हो जाती है। इसी के कारण बार-बार सूखी खांसी उठती है- दम घुटने लगता है। आकाश मुद्रा से आकाश तत्व बढ़ने लगता है। अतः आकाश मुद्रा, इन्द्र मुद्रा और सूर्य मुद्रा एक साथ लग जाने से गले को बहुत आराम मिलता है।

▸▸ यह भी लाभदायक

दिन में तीन-चार बार गर्म नमकीन पानी से गरारे करने से गले के रोगों में बहुत आराम मिलता है, क्योंकि इस क्रिया से गले को गर्मी भी मिलती है और नमी भी मिलती है। इस मुद्रा के साथ-साथ नमकीन पानी के गरारे अवश्य करें क्योंकि नमक एण्टी सैप्टिक होता है। एक चम्मच हल्दी पाऊडर और दो चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो-तीन बार चाटने से सूखी खांसी ठीक होती है।

शादी समारोहों में दुल्हन के साथ-साथ अन्य महिलाओं की मेहंदी लगाने, साज-श्रृंगार- परिधान के साथ महिलाओं को तैयार करने के लिए किसी दक्ष पुरुष को बुलाना भी एक रिवाज बनता जा रहा है। जो काम महिलाओं के हैं, महिलाओं के लिए हैं और महिलाओं से जुड़े हैं, उनको एक पुरुष द्वारा कराया जाता है। गैरपुरुष का महिलाओं के निकट रहकर-बैठकर-छूकर ही मेहंदी मांडना, साज सज्जा अथवा परिधान पहनाना संभव है। एक तरफ तो हम लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए भयभीत रहते हैं और दूसरी तरफ गैरपुरुष को महिलाओं के साज-सज्जा-श्रृंगार-मेहंदी आदि कार्यों के लिए स्वयं ही आमंत्रित करते हैं। अनेक समाज सुधारकों ने इसके लिए विरोध भी जताया है पर कोई असर नहीं हुआ। आप समाजबंधु भी विचार कर अपनी राय प्रेषित करें कि क्या महिलाओं के कार्य किसी दक्ष महिला द्वारा नहीं करवाये जा सकते? किसी अनजान पुरुष से महिलाओं के कार्य करवाना उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

महिलाओ को साज-सज्जा अनजान पुरूष से करवाना उचित है अथवा अनुचित?

गरिमा को पराई नजरों से बचाना चाहिए

आधुनिकता का अर्थ यह कतई नहीं है कि हम अपनी मान-मर्यादा और लिंगभेद भूल जाएं। आधुनिकता के नाम पर पाखंडी पुरुषों द्वारा चलाया गया यह एक षडयंत्र ही है कि वो महिलाओं के निकट जाने के विभिन्न हथकंडे अपना रहे हैं। मेहंदी लगाने से लेकर साज सज्जा, श्रृंगार प्रसाधन ही नहीं, महिलाओं को कपड़े पहनाने तक के कार्य में कुछेक पाखंडी पुरुषों ने दक्षता हासिल कर ली है और योजना के तहत अपना इतना प्रचार प्रसार कर लिया है कि हम आंख मूंदकर इसके दुष्परिणामों को अनदेखा करते हुए महिलाओं के कार्यों के लिए स्वयं ही उन बहुरूपियों को महिलाओं के निकट आने का मौका देते हैं। एक महिला को तो दूसरी महिला से सजने संवरने में अधिक सहजता महसूस होनी चाहिए, लेकिन यहां तो उल्टी गंगा बह रही है। यही कारण है कि महिलाओं की तरफ से बढ़ती मांग के कारण दिनोंदिन पुरुष साज-सज्जा करनेवालों की बढ़ोतरी होती जा रही है। इनका वाक्चातुर्य भी महिलाओं को आकर्षित करता है। महिलाओं को गैर मर्दों द्वारा साज-सज्जा के लिए भी छूना उनकी गरिमा को अपमानित करता है। अगर महिलाएं अपनी मान मर्यादा के प्रति सजग नहीं हुई तो दिन पर दिन समाज में महिलाओं के साथ अनहोनी बढ़ती रहेगी। आजकल आधुनिक युवतियों की पसंद यह प्रसाधन पुरुष होने लगे हैं, खास मौकों पर ही नहीं आड़े दिन भी अगर युवतियों को पार्लर जाना हो तो यूनिसेक्स पार्लर में अपना सौंदर्य प्रसाधन का काम करवाती हैं। युवा पीढ़ी को अपने फैसले स्वयं करने का अधिकार एक हद तक ही उचित है; पर बात जब नारी की अस्मिता की हो तो घर के बड़े-बुजुर्गों को ठोस मर्यादित कदम उठाने चाहिए। विभिन्न षड्यंत्रों के तहत हिंदूधर्म, मर्यादा, सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों के परीक्षा की कठिन घड़ी चल रही है, इसे अनदेखा न करें।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव, नाशिक

सहजता व पारिवारिक मूल्यों का विषय

महिलाओं की साज-सज्जा किसी अंजान पुरुष से करवाना आज के समय में चर्चा का विषय हो सकता है। यह पूरी तरह से संस्कृति, व्यक्तिगत सोच और समाज के बदलते परिदृश्य पर निर्भर करता है। परंपरागत भारतीय समाज में महिलाओं की साज-सज्जा आमतौर पर घर की अन्य महिलाओं या परिचितों द्वारा की जाती थी और इसे मर्यादा का हिस्सा माना जाता था। लेकिन आजकल विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में मेकअप आर्टिस्ट और ब्यूटी प्रोफेशनल्स का काम एक पेशा बन गया है। शादी जैसे आयोजनों में बेहतरीन मेकअप और सजावट के लिए लोग विशेषज्ञों को बुलाते हैं, चाहे वे पुरुष हों या महिला। आज के समय में महिलाएं चाहें तो अपनी साज-सज्जा किसी महिला विशेषज्ञ से भी करवा सकती हैं। यह एक ऐसा विकल्प है जो उनकी सहजता और मर्यादा को बनाए रखता है। महिला विशेषज्ञों के पास भी मेकअप और साज-सज्जा में विशेषज्ञता होती है और कई महिलाएं इस विकल्प को अधिक उपयुक्त मानती हैं। खासकर उन मामलों में जहां पारिवारिक परंपराएं और सांस्कृतिक मूल्य अधिक महत्व रखते हैं, यह एक अच्छा समाधान हो सकता है। यह सवाल मुख्य रूप से मर्यादा, सहजता और व्यक्तिगत पसंद से जुड़ा है। यदि महिला स्वयं इस बात के लिए सहज है कि उसका मेकअप या मेहंदी किसी पुरुष से हो, तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। वहीं, यदि इस प्रक्रिया से उसे असुविधा होती है, तो यह निश्चित रूप से अनुचित है। महिला विशेषज्ञ का विकल्प इस स्थिति में और भी उपयोगी साबित हो सकता है। आज महिलाएं आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी हो रही हैं। वे अपनी पसंद और सुविधा के आधार पर निर्णय ले रही हैं। किसी पुरुष प्रोफेशनल से मेकअप या मेहंदी करवाना उनकी व्यक्तिगत पसंद है, और इसे सामाजिक स्वीकृति भी मिल रही है। पेशेवरता और सम्मान के साथ, यदि कार्य सही तरीके से हो रहा है, तो इसे अनुचित कहना कठिन है। लेकिन अगर परिवार या समाज इसे स्वीकार नहीं करता, तो यह विचार-विमर्श का विषय बन सकता है। ऐसे मामलों में सभी पक्षों की भावनाओं और मूल्यों का सम्मान करना जरूरी है। महिलाओं की साज-सज्जा किसी अंजान पुरुष या महिला विशेषज्ञ से करवाना उचित या अनुचित है, यह उनकी सहजता, व्यक्तिगत पसंद और पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

❐ **रमेश काबरा**, मुंबई

इस बुराई का समाधान जरूरी

भारतीय संस्कृति में पारम्परिक रीति-रिवाजों का महत्वपूर्ण स्थान है, जो परिवारों को एक साथ बाँधते है, सहेजते हैं। पहले पारिवारिक महिलाएं ही मेहंदी लगाती थी, परिधान पहनाकर श्रृंगार करती थी, आपसी हँसी-ठिठोली दिल को छू जाती थी। शुभ कार्यों में अपनत्व का भाव कायम था। समय और पैसों की भी बचत होती थी। आज विवाह-समारोह पूरी तरह से बदल गए है। इन कार्यों के लिए पुरुषों को बुलाने का चलन बढ़ता जा रहा हैं। गैर पुरुष हाथ थामकर मेहंदी लगा रहें है, साड़ी पहना रहे हैं। शारीरिक और मानसिक तौर पर जो खिलवाड़ हो रहा है, सुरक्षा को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। संस्कृति दूषित होने लगी है। मुँह मांगे पैसे देकर बस रस्म अदायगी की खानापूर्ति हो जाती है। अपनत्व का भाव गायब हो रहा है। ऐसा लगता है चारित्रिक और सामाजिक मूल्यों का दमन हो रहा है। मार्गदर्शन करने वाले, आपत्ति जताने वाले बड़े-बुजुर्ग भीड़ का हिस्सा बनकर रह गए हैं। बेशक कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस बुराई के खिलाफ अपनी आवाज़ भी उठाई है। जरुरी है कि बुराइयों के खिलाफ प्रयास फलिभूत हो सकें। हमारे घर, समाज में महिलाएं इन सभी कार्यों में बहुत दक्ष हैं। वाकई में आचरण कहीं दुराचार न बन जाएं। भारतीय संस्कृति के पतन को कैसे रोकें इस ज्वलंत प्रश्न का समाधान नितांत ज़रूरी है।

❐ **डॉ. (श्रीमती) सूरज माहेश्वरी,** जोधपुर

हर इंसान की अपनी अलग-अलग सोच

21 वीं शताब्दी से भारत में महिला एवं पुरुष को समान हक दिया है, तो महिलाएं एवं पुरुष दोनों सक्षम हैं। क्या बुरा है किसी सधे हुए हाथों में काम देना? किचन से लेकर सजने-संवरने तक और सजने-संवरने से लेकर श्मशान में पावती फाड़ने तक के काम में दोनों का योगदान बराबर का है। अगर हमारी सोच, विचार और नियत सही है, तो पराये मर्द के हाथों से भी काम करवाने में, सजने संवरने में बुराई नहीं है। दूसरे अगर ऐसा है, तो ट्रेनिंग ही स्टार्ट नहीं होते मर्दों के लिए। क्या सिर्फ सजने संवरने के काम से ही लड़कियों को गलत दिशा मिलती है? नहीं ना। कभी-कभी बुरी संगत या फिर घर का वातावरण भी बच्चों को अपनी नफरत जाहिर करने का मौका देता है, जैसे घर से भाग कर दूसरे जाति में शादी करना, बार-बार की रोक-टोक से तंग आकर खुदकुशी करना या कॉलेज में कम मार्क्स आने पर घर के लोगों के ताने ना सुनना पड़े, इसके लिए जीवन का अंत कर लेना वगैरह। कई बार फिमेल ब्यूटीशियन से ज्यादा स्किल्ड मेल मिलते हैं, उसे हैंडल करना हमारे अपने हाथों में होता है। महिलाओं के हिसाब से या महिलाओं से ज्यादा कुशल और साधे हुए हाथों से अगर पुरुष पूर्ण कर्तव्य दक्ष होकर अपने हुनर की बदौलत अर्थार्जन करता है तो बुराई नहीं है। जरूरी नहीं है कि सभी पुरुष सिर्फ महिलाओं को देखने या नयन सुख पाने के लिए ही काम करते हों। सही तो यह है कि आर्टिस्ट सही हो और अपने काम से काम रखता हो। वैसे भी आजकल काम बटे हुए नहीं है। महिलाएं चांद पर गई और पुरुष भी, महिलाएं अंतरिक्ष में गई और पुरुष भी। तो क्या रिस्पेक्टफुली यह कार्य नहीं होता? यह हम पर निर्भर करता है कि हम उस काम को किस नजरिए से देखते हैं। सजने संवारने का काम, हो या कोई और काम मुझे इसमें कोई बुराई नजर नहीं आती है।

❐ **मीना कलंत्री,** वसई (मुंबई)

पूर्णतः अनुचित है अनजान पुरूष से साज सज्जा

महिलाओं को साजसज्जा अनजान पुरुष से करवाना पूर्णतः अनुचित है, जो समाज के चारित्रिक मूल्यों की गिरावट का एक बड़ा कारण बन जाता है। जाने-अनजाने यह सामाजिक विकृतियाँ बन रहा है। चूंकि महिलाओं का जन्मदाता बन जुड़े इस क्षेत्र में अधिकतर विधर्मी युवकों ने साख बना ली तो पिछले दिनों में अनेकों घटनाएं सुनने में आई है। जब किसी लड़की यहां तक कि शादीशुदा महिलाओं की नासमझी का भी ऐसे लोगों ने नाजायज फायदा उठाया। परिधान पहनाने के दौरान तो एक अनजान पुरुष का हाथ महिला के शरीर को अनेकों जगहों से छूता है। यह उच्छृंखलता को जन्म देने का कारण बनता है। घर के बुजुर्ग घर की पारिवारिक कलह का किसी भी महिला चाहे वह बहन, बेटी, बहू कोई भी हो, को कतई यह ईजाजत नहीं दे सकते कि अनजान व्यक्ति को यह बताएं। महिला की यूएस की आधुनिकता की आड़ में जायज - नाजायज की परिभाषा पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा हो रहा है। निष्पक्ष रूप से कहें तो चाहे जमाना कितना भी आधुनिक हो जाने का दावा करे, ऐसे कार्यों को कभी भी समर्थन नहीं किया जा सकता। समृद्ध भारतीय संस्कृति में ऐसे कार्यो का किसी भी सूरत में समर्थन नहीं किया जाना चाहिये।

❐ **सुरेन्द्र बजाज,** जयपुर

सबकी जिम्मेदारी, रखें मर्यादा का मान

समाज में शादी, ब्याह या कोई भी आयोजन होते हैं तो मेहंदी और साज-सज्जा इसका प्रमुख हिस्सा होते हैं। पहले के समय में घर की औरतें ही मेहंदी और तैयार करने का कार्य कर देती थी लेकिन आज समय बदल गया है। अब किसी भी आयोजन में पार्लर से तैयार होते हैं। मेहंदी वाले भी बाहर से ही बुलाए जाते हैं। यदि साड़ी पहनाना, मेकअप, मेहंदी पुरुष वर्ग द्वारा किया जाता है तो देख कर असहज लगता है। इसका विरोध होना चाहिए। बुकिंग करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पार्लर और मेहंदी वाले महिलाकर्मी ही हों। थोड़ी सी सूझबूझ से ही इस समस्या का समाधान हो सकता है। सोच में आधुनिकता एक सीमा में ही अच्छी लगती है और इसका ध्यान रखना हम सबका दायित्व है।

❐ **शशि लाहोटी, कोलकाता**

स्त्री-पुरूष को समान अवसर

पहले समय में सारे समाज बंधु मिलकर ही शादी-ब्याह जैसे कार्यक्रम की जिम्मेदारी उठाते थे और सुंदर रूप से पूर्ण करते थे। रीति-रिवाज, नाच, मंगलगीत से कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगाते थे। महिला-पुरूष दोनो की जिम्मेदारी अलग होती थी। आजकल महिला और पुरुष में समानता के कारण हर क्षेत्र में उन्हें कार्य करने का अधिकार है। कुछ क्षेत्र ऐसे है, जहाँ दोनो के कार्य को अपनाने का अपना अलग दृष्टिकोण होता है। जैसे पुरूषो से महिलाओ का साज श्रृंगार करवाना और महिलाओ का देर रात तक घर आना। समाज में कुछ लोग भयवश इनके कार्य करने से आपत्ति जताते है। ऐसे में वाद-विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है। कार्यक्रम आजकल तो इवेंट मैनेजमेंट द्वारा कार्य होते है। महिला पुरूष दोनो ही अपना हुनर कार्य में दर्शाते है। इसलिए शादी-ब्याह जैसे कार्यक्रम में कार्य को लेकर विवाद करना व्यर्थ है। लेकिन ये भी सच है कि रीति-रिवाज का शुभारंभ खुशियो के पल से होता है। समाज खुले विचारो को अपनाता तो है लेकिन कुछ विचारों को उन्हें अपनाने में दिक्कत होती है। इसलिए जैसा मन करे जिससे मन करे बेफ्रिक होकर कार्य कराना चाहिए। महिला हो या पुरूष जिससे दुल्हन और घर वाले कंफर्टेबल रहें उससे कार्य कराना चाहिए। एक पहल अपनो की खुशी के लिए जरूर करना चाहिए।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट (उ.प्र.)

महिलाओं की टीम जरूरी

ऐसा नहीं है कि पहले मेहँदी माँड़ने, मेकअप, परिधान पहनाने के लिए किसी को बुलाया नहीं जाता था, बुलाया जाता था पर पास पड़ोस की महिला या चाची, मामी, मौसी ही इन कार्यों का दायित्व सम्भाल लेती थी अथवा महिलाओं को ही बुलाया जाता था। महिलाओं का ही सर्वमान्य अघोषित क्षेत्र समझा जाता था। धीरे-धीरे, बढ़ते हुए ग्लैमर ने इसे प्रतियोगिता का रूप दे दिया। फ़ोटोग्राफ़ी के बढ़ते प्रयोग से देश-दुनिया में छा जाने का नशा जायज़ - नाजायज़ के अंतर को भुला दे रहा है। मेरी राय में समाज - सुधारकों का यह भय ग़लत नहीं है। जाने-अनजाने लड़कियाँ ग़ैर पुरुषों के आकर्षण में बंधती जा रही हैं। परिणाम नतीजे कभी-कभी भयानक रूप से सामने आते है। सच तो यह है कि इस मकड़जाल में देखा देखी समझदार लोग भी फंसते जा रहे हैं। हम परंपरागत शादियों की सात्विकता को बढ़ावा देवे। 5-7 उदाहरण भी प्रचार द्वारा सामने आ जायेंगे तो लोग इसका अनुसरण करेंगे। क्या आवश्यक है, क्या नहीं? इस बात को समझाया जाय। माना कि आजकल एकल होते परिवारों में और सभी की जीवन शैली अति व्यस्त होने की बजह से बाहर के लोगो की मदद लेना अनिवार्य सा हो गया है तो व्यक्तिगत सेवाओ में कम से कम महिलाओं को ही बुलाया जाय। महिलायें ही मिलकर मेहंदी, परिधान, मेकअप में अपनी सेवाए देने अपनी दक्ष टीम बनाये जिसमें सभी आवश्यक सहायक रहें।

❐ **शीला अशोक तापडिया,** नागपुर

सरासर गलत है यह फैशन

आज के इस फैशन के दौर में हम इतने अंधे हो चुके हैं कि हम औरों की देखा देखी में कुछ कार्य ऐसे करते हैं, जिससे आने वाले भविष्य में अड़चने उत्पन्न हो और समाज में हमारी बदनामी हो। जैसे आजकल हर छोटे-मोटे समारोह में हमारे घर की महिलाओं को साड़ी पहनाना, मेहंदी लगाना या और कोई साज सज्जा के कार्य कराने के लिए पर पुरुषों को बुलाते हैं जो कि सरासर गलत बात है। एक तरफ तो हम महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार से दिन ब दिन परेशान हैं और दूसरी ओर हम खुद ही भविष्य के संकटो को आमंत्रित कर रहे हैं। आज आये दिन हम पढ़ और सुन रहे हैं कि यह सब कार्य पुरुषों से करवाना और वह भी अनजान और विधर्मी पुरुषों से करवाना कितना नुकसानदेह है। कितने परिवार, कितनी बच्चियां इस वज़ह से बर्बाद हो चुकी हैं या अपनी जान से हाथ धो चुकी हैं। इस सबके बावजूद सिर्फ देखा देखी या समाज में हम कितने पुरोगामी विचारों के हैं, यह सब बताने के लिए क्या हम यह धोखा ले सकते है? जो कार्य हम पर पुरुषों से करवाने में अति आधुनिक होने का दम्भ भरते है क्या वहीं कार्य हम किसी स्त्री से नहीं करवा सकते है? जितना एक स्त्री दूसरी स्त्री को जान या समझ सकती है, क्या उतना कोई पराया पुरुष किसी महिला को समझ सकता है? तो फिर क्यों हम पर पुरुषों से ऐसे कार्य करवाकर हमारे घर की महिलाओं को छूने का अवसर देकर भविष्य का खतरा मोल ले रहे है? यह प्रथाएं ना ही कभी हमारे समाज का अंग थी ना हो सकती है. सिर्फ हमारी अति आधुनिकता वाली सोच ही हमको यह सब करवाने को मजबूर करती है और हम बिना सोचे समझे सिर्फ समाज मे अपनी झूठी प्रतिष्ठा पाने के चक्कर में इतना बड़ा गलत कदम उठा रहे है कि जिसके अंजाम की हम कल्पना तक नहीं कर सकते।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,** सुरेंद्रनगर (गुज.)

जागरूकता व सावधानी जरूरी

शादी समारोह या कोई उत्सव हो, महिलाओं को श्रृंगार करना कराना अनिवार्य सा हो गया है। आजकल हर परिवार में छोटे-मोटे कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा पार्लर से तैयार होना आम बात हो गई है। तो ऐसे में हर पार्लर में महिला सदस्य ही उपस्थित हो यह जरूरी नहीं रहा, क्योंकि महिलाओं द्वारा पुरुषों के क्षेत्र में कार्य करने से पुरुषों के पास काम की कमी होती है तो अपना घर चलाने के लिए जो भी काम मिलता है चाहे वह महिलाओं का क्षेत्र ही क्यों न हो वह उसमें भी हाथ आजमा लेते हैं। जहाँ आजकल लड़के और लड़कियाँ दोनों कामकाजी हो गए हैं और हर क्षेत्र में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है तो पुरुषों के पास स्वाभाविक है काम की कमी रहेगी तो उनको अपना घर परिवार चलाने के लिए कोई तो काम करना ही पड़ेगा। महिलाओं के इस क्षेत्र में उन्हीं पुरुषों को अनुमति मिलनी चाहिए, जिनका व्यक्तित्व व चरित्र साफ हो और सारे सरकारी कागज उनके पास हों। महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह बहुत ही जरूरी है और घर में किसी को बुलाने से पहले उसके बारे में सारी जाँच परख करके पुलिस वेरिफिकेशन भी करवा लेना चाहिए ताकि कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न ना हो। आजकल के आधुनिक युग में हम किसी भी क्षेत्र को किसी के लिए निर्धारित नहीं रख सकते, दोनों ही लिंग किसी भी क्षेत्र में काम कर सकते हैं, तो जब महिलाओं को हर क्षेत्र में काम करने की अनुमति है तो यह अनुमति पुरुषों को भी मिलनी चाहिए जरूरत है तो बस जागरूकता व सावधानी की।

❐ **विनीता काबरा,** जयपुर

मर्यादा की लक्ष्मण रेखा में रहे...

पाश्चात्यता की अंधी दौड़ में शामिल वर्तमान दौर स्वयं मुसीबत को आमंत्रित कर फिर अफसोस करता है। बेहतर होगा पहले ही सावधान रहें। आजकल शुभ प्रसंग में युवतियां, महिलाएं तैयार होने के लिए, ब्युटी पार्लर,मेंहदी लगवाने व कोरीओग्राफी के लिए पुरुषों या लड़को को बुलाती हैं जब कि यह सारी चीजें पारंगत प्रोफेशनल महिलाओं द्वारा आसानी से अच्छी तरह कराई जा सकती है। इन सब कामों के लिए पुरुष वर्ग को बुलाना या उनके पास जाना पूरी तरह अनुचित है। शुभ प्रसंग पर घर में बहुत से मेहमान होते हैं, साज सज्जा हेतु आनेवाले पुरुष कर्मियों की पारिवारिक पृष्ठभूमि हमें पता नहीं होती। नाम बदलकर भी कोई घर में आ सकते हैं, ऐसे में कभी भी किसी तरह की अनहोनी हो सकती है। साथ ही उन्हें अपने घर की, रिश्तेदारों की व्यक्तिगत जानकारी भी आसानी से हासिल हो जाती है जो भविष्य में घातक होने की संभावना है। इन सबके चलते कई समस्याएं हुई भी हैं। घर में बड़े बुजुर्गो को भी अपने अनुभव के आधार पर यह सबकुछ पसंद नहीं आता इसलिए बेहतर होगा अपनी मर्यादा की लक्ष्मण में रहते हुए ही हर कार्य करें।

❐ **राजश्री राठी अकोला,** (महाराष्ट्र)

यह समाज विरोधी कार्य

विशेष अवसरों पर विशेष प्रकार से सजना सवरना और आकर्षण का केंद्र बनना सभी को अच्छा लगता है और प्रकृति ने भी महिलाओं को विशेष रूप से सजने सवरने का अधिकार प्रदान किया है। महिलाओं की रुचि भी इस में प्रबल रहती है और उनकी चर्चाओं का विषय भी अधिकतर यही रहता है। परंतु वर्तमान में युग परिवर्तन इतना हावी हो रहा है कि महिलाओं को सजाने संवारने का कार्य भी अनजान पुरुषों द्वारा किया जाने लगा है। परंतु मेरे विचार में यह उचित नहीं है क्योंकि विपरीत लिंग के लोगों में चाहे किसी भी कारण से हो एक दूसरे के समीप आने पर आकर्षक होना स्वाभाविक है। अनजान पुरुष द्वारा महिलाओं को सजाते संवारते समय उसके पास बैठना, उसे छुना, एक दूसरे के साथ काम करने से एक दूसरे के प्रति आकर्षण होना स्वाभाविक है। ऐसे यह कार्य समाज विरोधी है और स्वच्छंदता के नाम पर किया जाने वाला यह कार्य समाज में नकारात्मकता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हो रहा है। अतः इस कार्य को बढ़ावा देने के स्थान पर लगाम लगाना ही ज्यादा उचित होगा।

❐ **ममता लखानी,** नापासर

With Best Compliments From...

VIDYA

VIDYA WIRES PVT. LTD.

(AN ISO 9001 :2015 Certified Company)

Shyam Sundar Rathi

excellence through experience

- Enamelled Copper Wires & Strips
- Paper Insulated Copper Conductors
(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)
- MPCC - Connection Cables
- Bare Copper Wires
- Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
- Copper Tapes / PVC Copper Tapes

DEALERS ENQUIRIES SOLICITED

Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

खुश रहें - खुश रखें

जैसे विचार हमारे मन में रहते हैं, वैसी ही हमारी बोली हो जाती है

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - रामायण में श्रीराम पूरी वानर सेना के साथ लंका पहुंच चुके थे। वहां एक सुबेल पर्वत था, युद्ध से एक दिन पहले उस पर्वत पर श्रीराम आराम की मुद्रा में बैठे हुए थे। उनके आसपास सभी लोग बैठे थे। रात हो चुकी थी। श्रीराम ने चंद्र को देखकर सभी से एक प्रश्न पूछा, 'चंद्र में जो काला दाग है, वह किस बात का है?'

सुग्रीव ने उत्तर दिया- 'ये पृथ्वी की छाया है।' क्योंकि सुग्रीव का बड़े भाई बाली से राज्य को लेकर झगड़ा हुआ तो उनके मन में पृथ्वी ही थी।

विभीषण ने कहा- 'राहु ने चंद्रमा पर प्रहार किया था, ये उसका निशान है।' विभीषण ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि उन्होंने अपने बड़े भाई रावण से लात खाई थी।

अंगद ने कहा- 'जब कामदेव की पत्नी रति का सुंदर मुख ब्रह्मा जी ने बनाया तो चंद्र से इतना हिस्सा ले लिया।' अंगद ने हिस्से की बात इसलिए की, क्योंकि बाली के बाद राजा अंगद को बनना था, लेकिन सुग्रीव को राजा बना दिया तो अंगद के हिस्से का अधिकार चला गया।

हनुमान जी ने कहा- 'श्री रामजी की श्यामल छवि चंद्र में दिखाई दे रही है।' जिसके मन में जो होता है, वह वही बोलता है। हनुमान जी के मन में राम हैं तो उन्होंने राम जी की श्यामल छवि को चंद्र का दाग बताया।

सीख - हमारे मन में जो भी होगा, वो वाणी के रूप में कभी न कभी बाहर आ ही जाता है। इसलिए हनुमानजी से सीखें कि अपने मन में हमेशा अच्छी बातें, सकारात्मक विचार रखेंगे तो उसका अच्छा असर हमारी बोली पर भी होगा। हम हमेशा अच्छी बातें ही बोलेंगे।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, सॉवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

अभी ठंडी के मौसम में सब्जियां और फल बहुत आते है। तो चलिए इस बार हम सलाद सीखेंगे।

1. रूसी सलाद

सामग्री: फ्रेंच बींस, गाजर, हरी मटर और आलू प्रत्येकी 100 ग्राम एक छोटा कैन पाइनएप्पल के स्लाइस, दो एप्पल, 100 ग्राम ताजी क्रीम और मेयोनीज़। उबला हुआ चुकंदर, सलाद की पत्तियों का गुच्छा, स्वाद के लिए नमक, काली मिर्च और चीनी।

विधि : सब्जियों के छोटे टुकड़े कीजिए और उबालिए। अनानास और सेव के टुकड़े कीजिए। फलों और सब्जियों को एक साथ मिलाइए, नमक, काली मिर्ची डालिए। मेयोनेज़ और क्रीमें आपस में मिलाइए। इस मेयोनीज़ को सब्जियों में खूब अच्छी तरह मिलाएं। नमक, काली मिर्च व चीनी डालीये। एक सलाद के बर्तन में सलाद की पत्तियां रखिये और बीच में सलाद की ढेरी (Pile) लगाइए। चुकंदर के स्लाइससे सजाकर एकदम ठंडा करके पेश करें।

2. बंदगोभी और पाइनएप्पल सलाद

सामग्री: एकदम पतली कटी हुई पत्ता गोभी दो कप, (बंद गोभी आप ग्रीन या पर्पल कलर की ले सकते हो।) एक कैन के पाइनएप्पल के स्लाइस 4-5, एक सलाद पत्तियों का गुच्छा, एक शिमला मिर्च, एक पका हुआ चुकंदर, 4 सैलरी स्टिक, स्वाद के लिए नमक, काली मिर्च और चीनी।

विधि : बन्दगोभी को खूब पतला काट लीजिए। सैलरी और शिमला मिर्च को भी काट लीजिए । सजावट के लिए एक स्लाइस को छोड़कर बाकी अनानास के टुकड़े कर लीजिए। बंद गोभी, सैलरी और शिमला मिर्च को 30 मिनट तक बर्फ के पानी में रखिये। परोसने से के ठीक पहले बंदगोभी और अनानास के टुकड़े, सैलरी, शिमला मिर्च, चीनी और नमक मिलाइए। दो टेबलस्पून अनानास का सिरप डालिए। चुकंदर के स्लाइस काटिये, उसमें नमक और काली मिर्ची डालिए। सलाद की पत्तियां बिछा कर उसे पर सलाद रखिये। चुकंदर के स्लाइस से सजाकर और बीच में अनानास का एक स्लाइस रखिए उसके ऊपर एक चेरी भी रखिए ।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

नहीं रहीं महिला संगठन की प्रथम अध्यक्ष

मनोरमा लड्ढा

परम्परागत परिवार से भी जगाई उच्च शिक्षा की अलख
महिलाओं में किया एकता का सूत्रपात

ग्वालियर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम अध्यक्ष श्रीमति मनोरमा लड्ढा का गत 27 नवम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पति सीए गोपाल लड्ढा, पुत्र अतुल सुनीता लड्ढा एवं पुत्री डॉक्टर ममता-अनिल जाजू सहित भतीजे-भतीजी तथा पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। श्रीमती लड्ढा ने महिला संगठन की प्रथम अध्यक्ष के रूप में ही महिलाओं को संगठित नहीं किया था, बल्कि शिक्षा की अलख भी जगाई थी। पारिवारिक परंपरा का निर्वहन करते हुए घर में अक्सर सीधे पल्लू की साड़ी में घूंघट में रहते हुए भी उन्होंने घर पर ही पढ़ाई कर एम ए और फिर एल एल बी की उपाधि गृहण की। साथ ही पतिदेव गोपाल लड्ढा ने भी एम. कॉम. गोल्ड मेडलिस्ट व फिर सी ए की डिग्री प्राप्त की। बड़े-बूढ़ों के भरे पूरे परिवार का हंसते-मुस्कराते पालन करते हुए और अपनी प्रतिभा को उकेरना और सात देवरों का चहेता बन कर रहना कोई मजाक नही था। फिर कालांतर में जीवन में एक अनूठा परिवर्तन तब आया जब कलकत्ता से श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट के न्यासी और अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के वरिष्ठ स्व. श्री हरनारायण सादानी का घर में पदार्पण हुआ। उन्होने श्वसुर स्व. श्री हरगोविंद लड्ढा से मनोरमा जी की प्रतिभा को देखकर उन्हें समाज में माहेश्वरी महिला जाग्रति हेतु आगे आने हेतु प्रोत्साहित किया।

महिलाओं को दिया नेतृत्व ये वही मनोरमा जी थी जिन्होंने कलकत्ता अधिवेशन में पांच हजार श्रोताओं की उपस्थिति में अभूतपूर्व समाज सुधारक भाषण देकर सभी का मन मोह लिया। फिर तो उन्होने पीछे मुड़ कर नही देखा। आगे जाकर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा बनी और अनेकों सामाजिक सुधार किये। बृहत्तर ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल की ग्वालियर में स्थापना कर महिलाओं के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कृष्णा देवी नागोरी के साथ माहेश्वरी नेत्र एवं आरोग्य प्रतिष्ठान की स्थापना कर सभी समाज जनों का सहयोग ले कर गरीब एवं बेसहारा वर्ग के लिये मोतियाबिंद के आपरेशन केंप का माहेश्वरी भवन में लगातार बाईस वर्ष तक (सरकारी प्रतिबंध तक) संचालन किया और हजारों आपरेशन करवाए। साथ ही पति देव के कंधे से कंधा मिलाकर उनकी सीए की प्रेक्टिस को आगे ले जाने में सहायक बनी। विवेकानंद नीडम, भारत विकास परिषद, वनबंधु परिषद आदि अनेक संस्थाओं में श्री लड्ढा जी के साथ संस्थाओं को आगे बढाने में भरपूर मदद की। पिछले अनेक वर्षों से भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश स्व. श्री रमेश चंद्र के मार्गदर्शन में ''समर्पण'' की लड्ढा जी द्वारा स्थापना कर ग्वालियर की जनता को सस्ती स्वास्थ सेवाएं प्रदान करने में एवं जरूरत मंदों को भोजन के प्रतिदिन बनवाकर पेकेट बांटने में पूर्ण सहयोग करती रही हैं। आप पर्यावरण एवं कला प्रेमी भी थी। आपके पुत्र-पुत्रवधु अतुल-सुनीता एक सफल उद्योगपति हैं और पुत्री दामाद डॉ. ममता-अनिल जाजू आपके पदचिन्हों पर चलते हुए समाज सेवा में भी अग्रसर हैं।

नहीं रहे वरिष्ठ समाजसेवी

श्री रामेश्वरलाल काबरा

मंदसौर। स्व. श्री छोगमल काबरा के सुपुत्र कृष्णकुमार, हरीश व सुनील के पिताजी श्री रामेश्वरलाल काबरा का गत 15 नवम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री तथा प्रपौत्र आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं, आप प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष रहे थे। स्व. श्री काबरा, बंशीलाल काबरा के बड़े भाई तथा स्व. श्री रामगोपाल व स्व. श्री बाबूलाल काबरा के छोटे भाई थे। प्रदेश सभा ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्री काबरा के बैकुंठवासी होने का दुखद समाचार जानकर वेदना हो रही है, निश्चित ही उनका जाना बड़ा ही कष्टप्रद है, लेकिन नियति के हाथों हम नतमस्तक हैं। आपके जैसे सेवा भावी व्यक्तित्व की पूर्ति होना असम्भव है। श्री काबरा का सामाजिक अनुभव एवं उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से सामाजिक सेवा कार्य किये जाते रहे है, जिनमें उनके कार्यकाल में 'प्रादेशिक सभा द्वारा सम्पूर्ण पश्चिमी मध्यप्रदेश के जनगणना अंक' का प्रकाशन व वितरण प्रमुख रहे।

देहदानी श्री दिलीप गांधी

जोधपुर। समाजसेवी तेजल अर्पित लोहिया जोधपुर व वैष्णवी, सानवी के पिताजी, उस्मानपुरा (संभाजीनगर) निवासी श्री दिलीप दीपचंद गांधी का 58 वर्ष की अवस्था में गत 24 नवम्बर को निधन हो गया। मृतात्मा की अंतिम इच्छानुसार उनका देहदान किया गया।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम

खम्मा घणी सा हुकुम सर्दियां आयगी हैं, और ज्यों ही ठंड रो मौसम दस्तक देवें... आपाणे पेट ने भी इनो आभास हुवण लाग जावें। यूं तो सर्दियों रो मौसम चाय री चुस्कियों रों हुवे, पर हर घर में कुछ न कुछ पकवान और खाणे री होड़ भी मानों मच सी जावें।

सही कहूँ तो हुकुम इण मौसम में हर व्यक्ति रो पेट एक छोटी भट्टी री तरह काम करण लाग जावें, जिणमें बार-बार तेल और मसाला डालण री जरूरत पड़ती रेहवें।

हुकुम देखियों जावें तो सर्दियों रो मतलब ही है 'खाणों, और सिर्फ खाणो'। आखिर, इण ठंड में कुछ गरमागरम खाते ही शरीर में जो सुकून री लहर दौड़ें, वो किन्हीं और चीज में कठे ?

हुकुम लोग मोटा परांठा पर मोटा मक्खन, गाजर री हलवे में छिपयोड़ी ड्राई फ्रूट्स री फौज, और बाजरे री रोटी रे साथे लहसुन री चटनी सूं पेट रो त्यौहार शुरू करें।

अब, या पेट और स्वाद री प्रेम कहानी सुणन में तो बहुत चोखी लागें, पर असल में इनो अंत बड़ों दुखद हुवें.. ज्योंकि.. वजन रो बढणों, पचावण में मुश्किल, सुस्ती और आळस और सबसूं ज्यादा हुकुम पेट और जीभ री खाई... जो गर्मियों में नियंत्रण में रेहवें, सर्दियों में ज्यों यमुना नदी बण जावें। हुकुम जीभ रे आगे हर तर्क हार जावें। कित्ती कोशिश करो या जीभ कोनी माने। सर्दी में पथ्यापथ्य रो ध्यान राखणो जरूरी है हुकुम क्योंकि इण ऋतु में वात कफ दोई प्रबल हुवें। आप मनचीती चिज़ा खावो पर कसरत पूरी करो।

हुकुम आप सोच रियाँ हुवोला कि मैं आपने यों केहणी चाहूं कि इण बार सर्दियों रो मज़ो चटखारे लिए बिना ही जीणों पड़ेला?

बिल्कुल नहीं!

पर जीभ और पेट री इण दोस्ती में थोड़ो डाइटिंग रो स्पर्श देणों पड़ेला।

हुकुम आप सबसूं निवेदन है अपणे पेट री भट्टी ने सही तरीके सूं जलाओ, जीभ री खाई ने ठूंस ठूंस ने मत भरों, सर्दियों रा मजा लिजों, पर थोड़ा सोच-समझने, इण पेट ने 'फूड फेस्टिवल' बणन सूं रोकज़ो ताकि आपरे बढ़ते वजन रो मजाक कोई और न बणावें !

आखिरकार, खाने रे इण प्रेम रे साथे स्वास्थ्य ने संतुलित रखणों भी जरूरी है। सो हुकुम, खूब दाल-बाटी, घी में चूर ने सोगरा रे साथे गुड़ खावो, दाल-बादाम-गाजर रो हलवों खावो पर पूरी मेहनत भी करो।

मन रो पेट भी भरो, साथे अंकुश भी राखो। बुजर्गों ने तो और ज्यादा ध्यान राखणों है। श्रीकृष्ण गीता में कयो कि ओ शरीर रथ है, इंद्रियां घोड़ा है। इण घोड़ा ने मन री लगाम जरूरी है हुकुम क्योंकि वेद केहवें भी है कि **शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम** यानी धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष सबरो हेतु शरीर है।

आगत सर्दी री शुभकामनाएं। खूब खाओ, पचाओ, स्वस्थ, मस्त रैवो।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- गलतियां हो ही जाती है इंसान से जाने अनजाने में,
  खुदा सा ढूंढते फिरते है क्यों सब इस तमाशाखाने में।

- घर के हर फ़र्द ने हर वक्त का कोहराम मचा रखा है,
  सुकून क्या ख़ाक मिलेगा अब किसी भी मयखाने में।

- दिल के रिश्ते को बचाने की सब दुआएं जाया हुई,
  कसर कोई उठा न रखी, सभी अपनों ने दिल दुखाने में।

- ज़मीर गिरवी रख के महल दुमहले बनाए है सबने,
  और खज़ाने इज़्ज़तों के दबा दिए गए गरीबखाने में।

- रोज आकर के नई उड़ानों का ज़िक्र मत करना,
  अभी तो रास आया है रहना, परिंदो को कैदखाने में।

कार्टून कौतुक

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपकी राशि वालों के लिए उत्तम फलदायक रहेगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी धार्मिक यात्राऐं होगी। शुभ, मांगलिक काम होंगे। मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे। अपने प्रयासों से सफलता के पूरे योग बने रहेंगे। स्पष्टवादिता की वजह से कई बनते हुए काम बिगड़ सकते हैं। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर रहेंगे। कार्य व्यवस्था में प्रगति होगी। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि, प्रमोशन के योग, आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी और भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ

यह महीना आपकी राशि वालों के लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस माह में संपत्ति में वृद्धि होगी, चुनौती पूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी, भाई का सहयोग प्राप्त होगा। किसी विषय के निर्णय लेने में समय लगेगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। दूर देश की यात्रा करनी होगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। अचानक धन लाभ के योग रहेंगे किंतु पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के भी योग बने रहेंगे। भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करना पड़ेगा।

मिथुन

यह माह आपकी राशि वालों के लिए अति उत्तम फलदाई रहेगा। इस माह में आपको धार्मिक मांगलिक एवं शुभ कार्य में खर्च करना होंगे जिससे मन प्रसन्न होगा। कर्ज की आवश्यकता पड़ेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। खोए-खोए रहेंगे। खर्च अधिक पर धन की व्यवस्था हो जाएगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र वाले को अच्छे परिणाम मिलेंगे। विरोधी परास्त होंगे समय पर सभी काम हो जाया करेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कर्क

आपकी राशि वालों के लिए यह माह सुखद परिणाम देने वाला रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। युक्ति युक्त तरीके से कार्य करने में आपको दक्षता एवं सफलता मिलेगी। लोकप्रियता का क्षेत्र विस्तृत होगा। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग बढ़ेगा। मनचाहा विवाह के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख सुविधा पर खर्च करेंगे। भाग्य का उदय होगा। राजनीतिक संपर्क का लाभ होगा। झूठे आरोप का सामना करना पड़ेगा। राजकीय पक्ष से सम्मान मिलने के योग प्रबल रहेंगे।

सिंह

यह माह आपकी राशि वालों के लिए परिश्रम के उपरांत फल प्रदान करने वाला रहेगा। व्यय की अधिकता रहेगी। प्रत्येक कार्य में विलंब होगा किंतु धार्मिक एवं मांगलिक कार्य होने की प्रबल संभावना रहेगी। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आपके अपने वाले लोग आपसे ईष्या रखेंगे। आपको उनके ऊपर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध तय होगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में तनाव उत्पन्न होगा।

कन्या

यह माह आपके लिए सुखद अनुभवकारी रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। लेखन प्रकाशन के क्षेत्र में सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे। आपकी सलाह दूसरों को काफी लाभकारी सिद्ध होगी। चुनौतीपूर्ण कार्यों को युक्तियुक्त तरीके से करने में सफलता मिलेगी। सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे किंतु दिया हुआ धन उलझ सकता है।

तुला

आपकी राशि वालों के लिए यह माह उत्तम फलदाई रहेगा। इस माह में बड़ी नौकरी के योग रहेंगे। कार्य व्यवसाय में अनुकूलता रहेगी। राजकीय पक्ष से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। विरोधी परास्त होंगे। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी किंतु व्यय की अधिकता रहेगी। संतान के कार्य में रुककर पूर्ण होने के योग रहेंगे। श्रेष्ठ एवं रहस्यमय ज्ञान की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। समय की पाबंदी पर आप पूरा-पूरा ध्यान देंगे। उच्च वाहन सुख के योग प्रबल रहेंगे।

वृश्चिक

यह महीना आपकी राशि वालों के लिए परिश्रम के उपरांत लाभ प्रदान करने वाला रहेगा। अचानक धन लाभ के योग रहेंगे किंतु यश नहीं मिल पाएगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में कुछ परेशानी का भी सामना करना पड़ेगा। प्रत्येक कार्य में विलंब होगा परंतु काम हो जाया करेगा। साझेदारी में कार्य एवं उधार देने से बचें, विरोधी परास्त होंगे।

धनु

आपकी राशि वालों के लिए यह महीना कुछ कष्टकारी हो सकता है। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। चुनौतीपूर्ण कार्य को युक्ति युक्त तरीके से करने में सफल होंगे। व्यय की अधिकता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पाचन तंत्र से कष्ट के योग रहेंगे। कर्ज लेने के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक कार्यों में खर्च होगा। एक के बाद एक समस्या का सामना करना पड़ेगा।

मकर

आपकी राशि वालों के लिए यह माह अत्यंत शुभ फलदाई रहेगा। पुराने रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। धन संपदा में वृद्धि होगी। आय के स्थाई स्रोत की प्राप्ति होगी। विरोधी परास्त होंगे। साहसिक कार्य करेंगे। किस्मत साथ देगी। भाग्योदय के योग प्रबल रहेंगे। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। पत्नी पक्ष से कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ

आपकी राशि वालों के लिए यह माह कुछ परेशानी के साथ सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। पुराने रुके हुए कार्यों के होने के प्रति मन में उत्साह बढ़ेगा। संपत्ति से संबंधित पकड़ में आंशिक सफलता मिलेगी। भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करना होगा। घर परिवार में मांगलिक एवं धार्मिक कार्य होगा। संतान प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। विरोधी परास्त होंगे। रक्त विकार से कष्ट के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक रहेगा।

मीन

आपकी राशि वालों के लिए इस माह मिला-जुला प्रभाव करेगा। स्मरण शक्ति में न्यूनता महसूस करेंगे। व्यय पर नियंत्रण तो रहेगा परंतु खर्च की व्यवस्था मुश्किल से जुटा पाएंगे। समय पर भाई का सहयोग नहीं मिल पाएगा। संतान के कार्यों में रुकावटें आएंगे। भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करना होगा। आय के नवीन स्रोत मिलने की संभावना बढ़ेगी। हड्डी दाड़-दांत एवं पांव में कष्ट होगा। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर हो सकते हैं।

॥ जय श्री गणेश ॥

With Best Compliments

Rahul Gandhi
Director

Ramesh Gandhi
Managing Director

Rohit Gandhi
Director

R.A. Kraft Paper Pvt. Ltd.

PAPER & BOARD INDENTER & IMPORTOR

The Global Leader of

- Kraft Paper
- Waste Paper
- Duplex Paper
- News Print
- Imported Waste Paper

R.S. Kraft Paper Ltd.

FIBRE IMPEX Pvt. Ltd.

HEAD OFFICE : 504, Suryakrian Complex, Opp. VNIT-1, Bajaj Nagar, Nagpur-10 (India)
Ph. : 0712-2220626, 2242412, 2249685, Fax : 0712-2243248 e-mail : info@rakraftpaper.com

MUMBAI : Unit No. 804, Lotus Link Square,
New Link Road, D N Nagar, Andheri West, Mumbai - 400 053
Ph: +022-6945 5000
E-mail: mumbai@rakraftpaper.com
Website: rakraftpaper.com

BRANCHES : AURANGABAD, HYDERABAD, INDORE, KOLHAPUR, NASIK, PUNE, VAPI

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 December, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com